मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 69
गुरुवार, 17 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

'मोदीनॉमिक्स' भारत की तेज आर्थिक वृद्धि का आधार : राजनाथ सिंह

कोलकाता, 16 सितम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आर्थिक दृष्टिकोण यानी "मोदीनॉमिक्स" ने भारत की तेज आर्थिक विकास की नींव रखी है और देश प्रगति तथा सुशासन के मार्ग पर लगातार आगे बढ़ रहा है। सिंह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास गाथा ऐसे परिवेशी तंत्र से आगे बढ़ी, जिसने देश की "बौद्धिक क्षमता और मानव संसाधन" को अपनी पूरी क्षमता का लाभ उठाने में सक्षम बनाया।

उन्होंने कहा, "2014 से पहले भी भारत के पास बौद्धिक क्षमता और मानव संसाधन दोनों थे, लेकिन वे अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप काम नहीं कर पा रहे थे। मोदीजी ने ऐसा परिवेशी तंत्र तैयार किया, जहां बौद्धिक क्षमता और मानव संसाधन दोनों अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर सकते हैं।" सिंह ने कहा कि आज भारत "बेहतर तरीके से विनियमित और सुशासित" है। उन्होंने दावा किया कि गरीबों के कल्याण और विकास के लिए निर्धारित सरकारी धन अब बिचौलियों की जेब में नहीं जा रहा है। उन्होंने देश के बढ़ते रक्षा निर्यात पर भी प्रकाश डाला और कहा कि भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है।

सिंह ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की भी प्रशंसा की और कहा कि राज्य में उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना हो रही है तथा देश के अन्य हिस्सों में भी इनकी चर्चा हो रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य में "उल्लेखनीय योगदान" देगा। सिंह भाजपा के महीनेभर चलने वाले "सेवा से संकल्प" अभियान के सिलसिले में कोलकाता में थे। यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन और सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में उनके 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी की "सेवा भावना" के संदर्भ में भी यह अभियान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वर्षों के दौरान उनका पद, जिम्मेदारियां और भूमिका भले ही बदल गई हों, लेकिन "स्वयं से पहले सेवा" के प्रति उनकी प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं आया है। सिंह ने कहा, "स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सभी छह अंतरे गाये गये। यह पश्चिम बंगाल के प्रति सम्मान का भी प्रतीक है।" रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी के सार्वजनिक जीवन की 25 साल की यात्रा गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के साथ शुरू हुई थी और प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल तक जारी है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा ने "देश की राजनीति को प्रभावित किया", भारत के विकास को नयी दिशा दी और वैश्विक स्तर पर देश की स्थिति को मजबूत किया।

अचानक ढह गई सोने की खदान; मलबे में दबकर 67 मजदूरों की मौत, कई अब भी जमीन के नीचे फंसे

कोडोर्फान, 13 सितम्बर। सूडान के वेस्ट कोडोर्फान प्रांत में सोने की खदान ढहने से बड़ा हादसा हुआ है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे में कम से कम 67 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। हादसा अल-नूहूद के पास अल-जारा सोने की खदान में हुआ। खदान के कई हिस्से अचानक ढह गए और बड़ी संख्या में मजदूर मलबे के नीचे दब गए।

शुरूआती रिपोर्टों में 60 मौतों की जानकारी सामने आई थी, लेकिन बाद में चिकित्सकीय समूह और हादसे में बचे लोगों के हवाले से मृतकों की संख्या 67 बताई गई। हादसे के बाद स्थानीय खनिकों और बचावकर्मियों ने रातभर खोज अभियान चलाया। कई लोग अब भी खदान के भीतर फंसे बताए जा रहे हैं। एक जीवित बचे व्यक्ति के मुताबिक, खदान का ढहना इतना व्यापक था कि यह पता लगाना मुश्किल है कि अंदर कितने लोग मौजूद थे। बचाव अभियान में भारी मशीनरी की कमी सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है। मलबे में चट्टान और मिट्टी को हटाने के लिए जरूरी उपकरण उपलब्ध नहीं होने से राहत कार्य बेहद कठिन हो गया है। एक खनिक ने बताया कि खदान की कई सुरंगें एक-दूसरे के बेहद करीब थीं। एक हिस्से के ढहने से आसपास की सुरंगें भी इसकी चपेट में आ गईं। इसी वजह से बड़ी संख्या में मजदूरों के फंसने की आशंका जताई जा रही है। सूडान में अप्रैल 2023 से सेना और अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच युद्ध जारी है। वेस्ट कोडोर्फान का यह क्षेत्र फ्रत्र्र के नियंत्रण में है। देश में जारी संघर्ष और आर्थिक तबाही के बीच बड़ी संख्या में लोग सोने के छोटे पैमाने वाले खनन की ओर बढ़े हैं।

सूडान में छोटे और अनौपचारिक स्तर पर होने वाला सोने का खनन बेहद खतरनाक परिस्थितियों में होता है। सुरक्षा मानकों की कमी के कारण यहां पहले भी कई जानलेवा खदान हादसे हो चुके हैं।

झीरम घाटी हमला: एनआईए कोर्ट ने 10 दोषियों को सुनाई फांसी की सजा, माओवादी के हमले में 29 लोगों की हुई थी मौत

जगदलपुर, 16 सितम्बर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत ने 2013 के झीरम घाटी माओवादी हमले के मामले में सभी 10 दोषियों को बुधवार को मृत्युदंड सुनाया। इस हमले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं समेत 29 लोगों की मौत हुई थी। अधिवक्ता ने बताया कि जगदलपुर में एनआईए की विशेष अदालत ने पांच सितंबर को दो महिलाओं समेत सभी 10 आरोपियों को दोषी ठहराया था और सजा पर अपना फैसला 16 सितंबर के लिए सुरक्षित रख लिया था। उन्होंने बताया कि अदालत ने सभी 10 दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। माओवादियों ने बस्तर जिले में दरभा थानाक्षेत्र की झीरम घाटी में 25 मई 2013 को एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर घात

लगाकर हमला किया था। इस हमले में कांग्रेस नेताओं, आम नागरिकों और 10 सुरक्षाकर्मियों समेत कम से कम 29 लोग मारे गए थे तथा 30 से अधिक लोग घायल हुए थे। मारे गए लोगों में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंद कुमार पटेल और उनके बेटे दिनेश, विपक्ष के पूर्व नेता महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्या चरण शुक्ल और वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक उदय मुदलियार शामिल थे। यह रैली उस साल के आखिर में होने वाले छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले आयोजित की गई थी। घटना के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज किया था, लेकिन रमन सिंह के नेतृत्व वाली तत्कालीन भाजपा सरकार ने हमले के दो दिन के भीतर ही जांच एनआईए को सौंप दी थी। राज्य सरकार ने इस घटना की जांच के लिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के तत्कालीन न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग भी बनाया था।

नितिन नवीन ने राहुल गांधी को घेरा, बोले- देश की तरक्की से परेशान है कांग्रेस

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। UPI MDR ट्रांजैक्शन चार्ज पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के ट्वीट पर BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पलटवार किया है। नितिन नवीन ने कहा कि विपक्ष की बेचैनी देश की तरक्की की वजह से है। उन्हें BRICS समिट, अकसमिट में भी कमियां नजर आती हैं। आज देश में चल रही विकास योजनाओं को देखिए; इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश 7 लाख करोड़ रुपये का है... वे आयुष्मान भारत या प्रधानमंत्री आवास योजना से फायदा उठाने वाले लाखों-करोड़ों लोगों को नहीं देखते। उनमें इन मुद्दों पर सार्थक चर्चा करने का नजरिया नहीं है। इसलिए, सरकार की पहलों पर सिर्फ. आरोप-प्रत्यारोप लगाने के बजाय, इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि हम विकास के मॉडल के जरिए समाज को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस सांसद और

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को उस व्यवस्था को तुरंत वापस लेने की मांग की, जिसे उन्होंने "UPI टैक्स कहा है। यह व्यवस्था यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस से पेमेंट करते समय कुछ मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर लगने वाले शुल्क में बदलाव करती है। नए नियम के तहत, 2,000 से ज्यादा के कुछ खास मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर 0.4% मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू किया गया है; हालांकि, सरकार का कहना है कि ग्राहकों से MDR नहीं लिया जाएगा। एक्स पर एक वीडियो मैसेज में – जिसका कैप्शन था, मोदी जी, UPI टैक्स वापस लें। अभी राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने UPI पर टैक्स लगाकर हर भारतीय पर टैक्स का बोझ डाला है और अमेरिका को भारी रकम दी है। राहुल गांधी ने वीडियो संदेश में कहा मोदी जी, कृपया अमेरिका के सामने झुकना बंद करें, हिम्मत दिखाएं, सीधे खड़े हों और UPI टैक्स वापस लें।

इससे पहले कांग्रेस ने अमेरिकी संसद में भारत समेत अन्य देशों पर शुल्क लगाने के प्रस्ताव से जुड़े विधेयक को लाए जाने और देश में यूपीआई लेनदेन पर शुल्क की व्यवस्था से संबंधित मुद्दों को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने के लिए भारतीय हितों से लगातार समझौता किया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने नोटा का नया अर्थ नरेंद्रस ऑनगोइंग ट्रम्प अपीजमेंट (नरेन्द्र मोदी का लगातार ट्रंप को खुश करना) कर दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ऐसे समय में जब अमेरिका में भारत पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला विधेयक प्रतिनिधि सभा में विचार के लिए आने वाला है और भारतीय आव्रजकों तथा एच-1बी वीजा धारकों को लेकर अमेरिकी प्रशासन कड़े कदम उठा रहा है, केंद्र सरकार ने यूपीआई पर शुल्क लगाने का फैसला किया है। उन्होंने सवाल किया कि यूपीआई पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) क्यों लगाया जा रहा है? रमेश ने पूछा कि क्या इसकी वजह यह है कि डेबिट कार्ड पर भी एमडीआर 0.4 प्रतिशत है और क्या इस कदम से अमेरिकी कार्ड कंपनियों को यूपीआई के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी। कांग्रेस महासचिव ने सरकार के इस तर्क पर भी सवाल उठाया कि शुल्क लगाने से यूपीआई व्यवस्था वित्तीय रूप से टिकाऊ बनेगी। उन्होंने कहा कि पूरे यूपीआई तंत्र को चलाने की अनुमानित वार्षिक लागत करीब 20,000 करोड़ रुपये है और यह राशि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केंद्र सरकार को हस्तांतरित किए गए अधिशेष की तुलना में काफी कम है।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई गाड़ी, 2 लोगों की मौत, 12 अन्य घायल

श्रीगंगानगर। प्रदेश के श्रीगंगानगर जिले में बुधवार को सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से एक गाड़ी के टकरा जाने से दो लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार रायसिंहनगर क्षेत्र में सलेमपुरा-बाजूवाला मार्ग पर बजरी से लदे एक एक खड़े ट्रक से एक जीप जा टकरायी।

रामसिंहपुर के थानाधिकारी राम प्रताप वर्मा ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है तथा यह भी पता लगाया जा रहा है कि ट्रक सड़क किनारे किस परिस्थिति में खड़ा था। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान कश्मीर सिंह (65) और परमजीत कौर (50) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक कश्मीर सिंह को रायसिंहनगर के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार गंभीर रूप से घायल परमजीत कौर को श्रीगंगानगर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक गंभीर रूप से घायल सात लोगों को उपचार के लिए श्रीगंगानगर रेफर किया गया है, जबकि अन्य घायलों का रायसिंहनगर और श्रीगंगानगर के अस्पतालों में उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक जीप रामदेवरा से पदमपुर की ओर जा रही थी।

अवकाश

विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर उत्तरशक्ति का कार्यालय आज बंद रहेगा।

–संपादक

डब्ल्यूपीएल 2027 : बीसीसीआई ने पांचवें सत्र का किया एलान, जनवरी में होगा टूनार्मेंट; 28 अक्तूबर को होगी नीलामी

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को बताया कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का पांचवां सत्र 14 जनवरी से सात फरवरी 2027 तक खेला जाएगा और इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी 28 अक्तूबर को कोच्चि में होगी। बीसीसीआई ने हालांकि अभी डब्ल्यूपीएल के

आयोजन के लिए मेजबान शहरों के नामों का खुलासा नहीं किया है।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी टी20 लीग के रूप में डब्ल्यूपीएल ने इस खेल के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। यह लीग भारत और दुनिया भर की शीर्ष खिलाड़ियों को एक साथ लाने के साथ उभरती प्रतिभाओं को शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने के अवसर भी प्रदान करती है।

खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 28 सितंबर तय की गई है। बीसीसीआई ने कहा कि पांचों फ्रेंचाइजी को अपने मौजूदा दल के खिलाड़ियों को बरकरार रखने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही वे आगामी सत्र के लिए अपने टीम संयोजन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू करेंगी। 2026 में स्मृति मंधाना की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपना दूसरा डब्ल्यूपीएल खिताब जीता था। इसके मुकाबले नवी मुंबई और बड़ौदा में आयोजित हुए थे। डब्ल्यूपीएल का पहला संस्करण 2023 में खेला गया था। अब तक मुंबई इंडियंस और आरसीबी ने दो-दो बार खिताब अपने नाम किए हैं।इस लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स के रूप में पांच फ्रेंचाइजी हिस्सा लेती हैं।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
– Since 1992 –
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

भ्रष्टाचार की शपथ से भ्रष्टाचार-मुक्त भारत तक पसरी चुनौतियां

-संजय सक्सेना

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सबसे खतरनाक क्षण वह नहीं होता जब कोई व्यक्ति चोरी करता है, बल्कि वह होता है जब समाज चोरी को सामान्य मानने लगता है। जब रिश्वत को सुविधा शुल्क, कमीशन को व्यवस्था, राजनीतिक पहुंच को सिफारिश और नियम तोड़ने को ह्यकाम निकालने की कला कहा जाने लगे, तब भ्रष्टाचार केवल कानून की समस्या नहीं रहता, वह सामाजिक संस्कार का संकट बन जाता है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से सामने आया कथित वीडियो इसी भयावह मानसिकता का प्रतीक बनकर हमारे सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग नगर निगम की आय को आपस में बांटने की शपथ लेते दिखाई दिए। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और वीडियो की परिस्थितियों व प्रामाणिकता की जांच की जा रही है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। लेकिन इस घटना का महत्व केवल इतना नहीं है कि उसमें कौन दिखाई दे रहा है और उन्होंने क्या कहा। असली प्रश्न यह है कि क्या भ्रष्टाचार अब इतना निर्भीक हो गया है कि उसे छिपाने के बजाय उसके बंटवारे की भी शपथ ली जा सकती है? अगर किसी सार्वजनिक संस्था से जुड़े लोग सार्वजनिक धन को निजी हिस्सेदारी की तरह देखने लगें तो यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत गंभीर चेतावनी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में भ्रष्टाचार के संदर्भ में न खाऊंगा, न खाने दूंगा का संकल्प सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था। उसके बाद भ्रष्टाचार के विरुद्ध अनेक संस्थागत और डिजिटल उपायों पर जोर दिया गया। केंद्र सरकार ने भी जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराई है, लोकपाल को भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई के लिए वैधानिक भूमिका प्राप्त है और केंद्रीय सतर्कता आयोग की भूमिका निगरानी तथा निवारक सतर्कता में महत्वपूर्ण है। फिर भी प्रश्न बचा हुआ है-क्या कानून और तकनीक भ्रष्टाचार को खत्म कर सकते हैं, यदि भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता बनी रहे? भ्रष्टाचार का नुकसान केवल सरकारी खजाने को नहीं होता। उसका सबसे बड़ा शिकार वह सामान्य नागरिक होता है जो लाइन में खड़ा है, टैक्स देता है, नियमों का पालन करता है और बदले में अपनी ही व्यवस्था से न्याय चाहता है। जिस सड़क का निर्माण होना था, वह घटिया बनती है तो नागरिक उसका मूल्य चुकाता है। जिस अस्पताल में दवा उपलब्ध होनी चाहिए, वहां कमी होती है तो गरीब मरीज कीमत चुकाता है। जिस सरकारी कार्यालय में काम समय पर होना चाहिए, वहां रिश्वत मांगी जाती है तो ईमानदार नागरिक की गरिमा पर चोट होती है।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के 2025 करप्शन परशेप्संस इंडेक्स में भारत को 39/100 अंक और 182 देशों में 91वां स्थान मिला। इसी संस्था के उपलब्ध ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर आंकड़ों में 39 प्रतिशत सार्वजनिक सेवा उपयोगकर्ताओं ने पिछले 12 महीनों में रिश्वत देने की बात बताई थी, ये आंकड़े 2020 के एशिया सर्वे से संबंधित हैं, इसलिए इन्हें वर्तमान वर्ष की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं माना जाना चाहिए। आंकड़े हमें चेताते हैं, लेकिन उससे भी अधिक भयावह वह मानसिकता है जिसमें व्यक्ति भ्रष्टाचार का विरोध तब करता है जब वह स्वयं उसका शिकार बनता है। जब कोई काम पैसे देकर जल्दी हो जाता है, तो वही व्यवस्था हमें सुविधाजनक लगने लगती है। यहीं से भ्रष्टाचार को सामाजिक स्वीकृति मिलती है।

भ्रष्टाचार का एक चेहरा आर्थिक है, दूसरा सत्ता-संस्कृति का। राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल व्यक्तिगत सुविधा के लिए होना भी सार्वजनिक नैतिकता को कमजोर करता है। इसका एक दिखाई देने वाला उदाहरण धार्मिक स्थलों पर वीआईपी दर्शन की संस्कृति है। देश के अनेक प्रमुख मंदिरों में सामान्य श्रद्धालु घंटों कतार में खड़ा रहता है, जबकि प्रभावशाली व्यक्ति विशेष व्यवस्था से दर्शन कर लेता है। यह प्रश्न केवल मंदिर-प्रबंधन का नहीं है, यह समानता की लोकतांत्रिक भावना का प्रश्न है। आस्था में व्यक्ति छोटा-बड़ा नहीं होता। यदि सार्वजनिक व्यवस्था में पद, पैसा और पहुंच सामान्य नागरिक के अधिकार से ऊपर खड़े होने लगें तो लोकतंत्र का मूल भाव कमजोर पड़ता है। जरूरत इस बात की है कि विशेष परिस्थितियों-जैसे सुरक्षा, दिव्यांगता, बुजुर्गों या विशिष्ट आधिकारिक दायित्व को छोड़कर वीआईपी संस्कृति को धीरे-धीरे समाप्त करने की दिशा में स्पष्ट मानक बनाए जाएं। लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि कुछ लोग हमेशा आगे रहें और बाकी नागरिक हमेशा कतार में।आज डिजिटल इंडिया ने अनेक सेवाओं को ऑनलाइन बनाया है। इससे पारदर्शिता बढ़ाने और प्रत्यक्ष संपर्क घटाने में मदद मिली है। लेकिन जहां प्रक्रिया अस्पष्ट है, अधिकारी के पास अत्यधिक विवेकाधिकार है या शिकायत का प्रभावी समाधान नहीं है, वहां डिजिटल व्यवस्था के बावजूद भ्रष्टाचार के नए रास्ते निकल सकते हैं। जीएसटी जैसे जटिल कर-प्रशासन में भी पारदर्शिता, स्पष्ट नियम, जोखिम-आधारित जांच और अधिकारी की जवाबदेही अत्यंत जरूरी हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि पूरा विभाग भ्रष्ट है, बल्कि किसी भी बड़े प्रशासनिक तंत्र में व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि ईमानदार अधिकारी सुरक्षित रहे और भ्रष्ट आचरण छिपा न सके। भ्रष्टाचार का इलाज केवल छापे और निलंबन नहीं है। इलाज है-कम विवेकाधिकार, अधिक पारदर्शिता, समयबद्ध सेवा, डिजिटल ट्रैकिंग, स्वतंत्र शिकायत-निवारण और निश्चित जवाबदेही। आज जरूरत एक नई शपथ की है। ऐसी शपथ जो केवल समारोह में न ली जाए, बल्कि हर दिन प्रशासनिक निर्णय में दिखाई दे-सरकारी पद सुविधा नहीं, जिम्मेदारी है। जनता से मिला अधिकार निजी लाभ का साधन नहीं, लोकसेवा का अवसर है। सार्वजनिक धन पर पहला अधिकार जनता का है। न रिश्वत लेंगे, न दिलाएंगे, न किसी भ्रष्ट व्यक्ति को संरक्षण देंगे। और यदि हमारे सामने भ्रष्टाचार होगा तो मौन रहना भी अपनी जिम्मेदारी से भागना माना जाएगा। राजनेताओं के लिए भी सबसे बड़ी कसौटी चुनाव जीतना नहीं, सार्वजनिक विश्वास को बनाए रखना होनी चाहिए। राजनीतिक दलों को आरोप सिद्ध होने की प्रतीक्षा के साथ-साथ नैतिक आचरण के स्पष्ट मानक भी विकसित करने होंगे। प्रशासनिक अधिकारियों को भी यह संदेश देना होगा कि ईमानदारी केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, संस्थागत संस्कृति है। भ्रष्टाचार केवल नेता या अधिकारी पैदा नहीं करते। उसकी जमीन समाज में भी तैयार होती है। जब हम अपने बच्चे को कहते हैं-किसी तरह काम करा लो, जब हम नियम तोड़कर गर्व महसूस करते हैं, जब हम अपने परिचित के लिए नियम बदलवाना चाहते हैं, जब हम रिश्वत देकर अपना काम जल्दी करवाकर खुश होते हैं-तब हम उसी व्यवस्था को मजबूत करते हैं जिसकी शिकायत अगले दिन करते हैं। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई सरकार बनाम जनता की लड़ाई नहीं हो सकती। यह सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल, न्याय व्यवस्था, मीडिया, उद्योग और नागरिक-सभी की साझा जिम्मेदारी है।

लोकपाल ने 2025 में अपना नया संदेश रखा-इम्पावर सिटिजन्स, एक्सपोज करप्शन यानी नागरिकों को सशक्त बनाइए और भ्रष्टाचार को उजागर कीजिए। यह दिशा महत्वपूर्ण है, क्योंकि भ्रष्टाचार तभी कमजोर होगा जब शिकायत करने वाला नागरिक स्वयं को असहाय नहीं, व्यवस्था का सक्रिय भागीदार महसूस करेगा। हम 2047 के विकसित भारत का सपना देख रहे हैं। विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज सड़कों, बड़े उद्योगों और विशाल अर्थव्यवस्था का नाम नहीं है। विकसित भारत वह होगा जहां नागरिक को अपना वैध काम कराने के लिए किसी की जेब गर्म न करनी पड़े, जहां पद प्रतिष्ठा का नहीं, उत्तरदायित्व का प्रतीक हो, जहां कानून प्रभावशाली और सामान्य नागरिक के लिए अलग-अलग न हो। शाहजहांपुर का कथित वीडियो जांच का विषय है, लेकिन उससे उठने वाला सवाल पूरे देश का है। गंगाजल हाथ में लेकर भ्रष्टाचार के बंटवारे की कथित शपथ यदि सच साबित होती है तो यह केवल कुछ व्यक्तियों का नैतिक पतन नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन के लिए एक कठोर चेतावनी होगी। और यदि वीडियो भ्रामक या संपादित पाया जाता है, तब भी ऐसी सामग्री का तेजी से फैलना बताता है कि भ्रष्टाचार को लेकर समाज में अविश्वास कितना गहरा है। संबंधित पार्षदों ने वीडियो को लेकर संपादन और बदनाम करने का आरोप भी लगाया है, इसलिए निष्पक्ष जांच जरूरी है। अब समय है कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ केवल भाषण न दें, व्यवस्था को ऐसा बनाएं जिसमें भ्रष्टाचार करना कठिन, छिपाना असंभव और ईमानदारी से काम करना सहज हो। क्योंकि राष्ट्र की असली आजादी उस दिन होगी, जब किसी नागरिक को अपना अधिकार पाने के लिए किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े। भ्रष्टाचार की शपथ नहीं-ईमानदारी का संस्कार चाहिए। सिर्फ न खाऊंगा, न खाने दूंगा नहीं-ह्यन सहूंगा, न सहने दूंगा का नागरिक संकल्प चाहिए। यही संकल्प विकसित भारत की नैतिक नींव बन सकता है।

फ्री यूपीआई के दावे के बीच ठगा रह गया आम आदमी

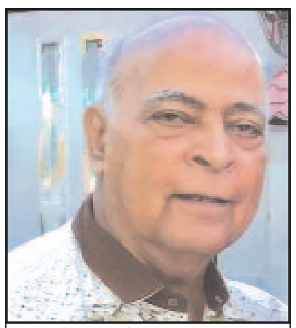

अशोक भाटिया

भारत की अर्थव्यवस्था को कैशलेस बनाने और 'डिजिटल इंडिया' के सुनहरे सपने दिखाने वाली सरकार ने आखिरकार 15 अक्टूबर से लागू होने वाले नए मर्चेंट डिस्काउंट रेट फ्रेमवर्क के जरिए देश की जनता के भरोसे पर करारा प्रहार किया है। लंबे समय से यह ढोल पीटा जा रहा था कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस पूरी तरह मुफ्त है, सुरक्षित है और यह देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की ताकत है। लेकिन सरकार और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का यह नया फैसला इस दावे की हवा निकालने के लिए काफी है। जनता आज ठगा हुआ महसूस कर रही है, क्योंकि जिस डिजिटल व्यवस्था की आदत उन्हें डालकर कैशलेस होने के फायदे गिनाए गए थे, अब उसी व्यवस्था के पीछे छिपे टैक्स और चार्जेस के कड़वे सच को सामने लाया जा रहा है। सरकार चाहे जितने भी दावे करे कि यह चार्ज आम ग्राहकों को नहीं बल्कि बड़े व्यापारियों को देना होगा, लेकिन आर्थिक मोर्चे की व्यावहारिक समझ रखने वाला कोई भी आम नागरिक यह बखूबी जानता है कि अंततः किसी भी टैक्स या फीस का बोझ घूम-फिरकर उपभोक्ता की जेब पर ही आकर गिरता है। यह नया ढांचा सीधे तौर पर देश के उस मध्यमवर्ग और नौकरीपेशा समाज के साथ विश्वासघात है, जिसने सरकार के कहने पर अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई को पूरी तरह डिजिटल माध्यमों के सुपुर्द कर दिया था।

इस नए फ्रेमवर्क के तहत 2,000 से अधिक के ट्रांजैक्शन पर 0.4% का MDR लगाने का फैसला किया गया है। सरकारी नीति निमार्ताओं ने बड़े ही शातिर तरीके से यह आंकड़ा तैयार किया है ताकि पहली नजर में यह जनता को प्रभावित न करे। यह दलील दी जा रही है कि देश के 96 फीसदी मर्चेंट ट्रांजैक्शंस 2,000 से कम के होते हैं, इसलिए आम जनता सुरक्षित है। लेकिन यह पूरी तरह से एक सांख्यिकीय भ्रम है जो जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। आज के इस महंगाई के दौर में 2,000 की रकम क्या अहमियत रखती है? एक मध्यमवर्गीय परिवार जब महीने का राशन खरीदने किसी सुपरमार्केट या किराना दुकान पर जाता है, तो उसका बिल आसानी से ?3,000 से ?5,000 के पार चला जाता है। बच्चों की स्कूल की फीस, कोचिंग संस्थान के खर्च, बिजली और पानी के बड़े बिल, अस्पताल का खर्च, दवाइयां, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की खरीदारी, या किसी शादी-ब्याह के कपड़े खरीदना– ये सभी रोजमर्रा के ऐसे काम हैं जहां ट्रांजैक्शन की रकम 2,000 की इस कृत्रिम सीमा को पलक झपकते ही पार कर जाती है। ऐसे में यह कहना कि आम जनता इससे प्रभावित नहीं होगी, देश की बहुसंख्यक आबादी के जीवन स्तर और उनकी जरूरतों का क्रूर मजाक उड़ाने जैसा है।

जनता के बीच इस कानून को लेकर जो सबसे बड़ा आक्रोश है, वह इस बात को लेकर है कि मर्चेंट्स पर लगाया गया यह चार्ज अंततः उन्हीं से वसूला जाएगा। कोई भी व्यापारी, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, अपनी जेब से 0.4% का घाटा नहीं सहेगा। बाजार का सीधा और शाश्वत नियम है कि जब भी किसी व्यवसाय की लागत बढ़ती है, तो वह उस लागत को अपने उत्पाद या सेवा की कीमत में जोड़ देता है। व्यापारी सीधे तौर पर भले ही

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

यूपीआई पेमेंट करने पर आपसे अतिरिक्त पैसे न मांगें, लेकिन वे अपने सामानों के दाम में चुपके से 1 से 2 फीसदी की बढ़ोतरी कर देंगे ताकि उनका प्रॉफिट मार्जिन सुरक्षित रहे। इसका परिणाम यह होगा कि जो व्यक्ति नकद भुगतान करेगा, वह भी बिना वजह इस महंगाई की चपेट में आएगा और जो यूपीआई का इस्तेमाल करेगा, वह तो ठगा जाएगा ही। सरकार ने इस चालाकी से अपने राजस्व को बढ़ाने का रास्ता तो साफ कर लिया, लेकिन इसका सीधा खामियाजा उस जनता को भुगतना पड़ेगा जो पहले से ही बेकाबू महंगाई, बेरोजगारी और घटती क्रय शक्ति से जूझ रही है।

इस कानून के पीछे छुपा एक और बड़ा खतरा देश की बैंकिंग और डिजिटल साक्षरता के लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट करना है। भारत जैसे विकासशील देश में लोगों को नकद छोड़कर डिजिटल ट्रांजैक्शन की ओर मोड़ना एक बहुत बड़ी सामाजिक और व्यावहारिक चुनौती थी। लोगों को बैंकों की लाइनों से बचाने और पारदर्शिता लाने के नाम पर सरकार ने खुद हर मंच से यूपीआई का प्रचार किया। रेहड़ी-पटरी वालों से लेकर बड़े-बड़े मॉल तक क्यूआर कोड चिपकाए गए। जनता ने भी सरकार पर भरोसा किया और अपनी सदियों पुरानी नकद लेन-देन की आदत को बदलकर जेब में बटुआ रखना बंद कर दिया। लेकिन अब, जब जनता पूरी तरह इस सिस्टम पर निर्भर हो चुकी है, तब सरकार ने अपनी असली नीयत दिखाते हुए इस पर शुल्क थोपना शुरू कर दिया है। यह नीति बिल्कुल वैसी ही है जैसी कोई निजी टेलीकॉम कंपनी पहले मुफ्त में सेवाएं देकर ग्राहकों को अपना आदी बनाती है और बाद में मनमाने दाम वसूलने लगती है। एक लोकतांत्रिक सरकार से जनहित की नीतियों की उम्मीद की जाती है, न कि किसी मुनाफाखोर कॉपोरेट घराने जैसी चालाकी की।

इस फैसले के लागू होने से बाजार में एक बार फिर से 'कैश इकोनॉमी' यानी नकद लेन-देन का चलन तेजी से बढ़ेगा, जो देश की आर्थिक प्रगति के लिए एक प्रतिगामी कदम होगा। जनता के मन में यह डर बैठ गया है कि आज 2,000 पर 0.4% का चार्ज लगा है, तो कल को सरकार इसे बढ़ाकर 1% कर देगी और सीमा को घटाकर 500 कर देगी। इस अविश्वास के कारण लोग अब फिर से बैंकों से नकद निकालकर अपने पास रखने को मजबूर होंगे। जब व्यापारी देखेंगे कि 2,000 से ऊपर के पेमेंट पर उनका नुकसान हो रहा है, तो वे ग्राहकों को नकद भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे या फिर यूपीआई पेमेंट लेने से साफ इंकार कर देंगे। इससे वह काला धन और समानांतर अर्थव्यवस्था फिर से सिर उठाएगी, जिसे खत्म करने का दावा सरकार अक्सर करती रही है। डिजिटल लेन-देन में आने वाली इस गिरावट के लिए सीधे तौर पर सरकार की यह अदूरदर्शी और राजस्व-लोभी नीति जिम्मेदार होगी।

देश का बुद्धिजीवी वर्ग और जागरूक नागरिक इस बात से भी बेहद खफा हैं कि सरकार एक तरफ तो कॉरपोरेट टैक्स में भारी छूट देती है, बड़े-बड़े उद्योगपतियों के लाखों करोड़ रुपये के कर्ज को बट्टा खाते में डाल देती है, लेकिन जब देश के आम नागरिकों की बात आती है, तो डिजिटल लेन-देन जैसी बुनियादी सुविधा पर भी टैक्स वसूलने के रास्ते तलाशने लगती है। 75,000 से ऊपर के ट्रांजैक्शन पर अधिकतम 300 की फीस तय करना इस बात का सबूत है कि सरकार को बड़े बिजनेसमैन की फिक्र है, लेकिन उस आम आदमी की कोई परवाह नहीं है जो अपनी गाढ़ी कमाई का छोटा-छोटा हिस्सा जोड़कर जीवन यापन कर रहा है। सरकार का यह कदम देश के नागरिकों के वित्तीय अधिकारों का हनन है। जब देश की जनता पहले से ही हर सामान पर भारी-भरकम जीएसटी दे रही है, अपनी आय पर इनकम टैक्स चुका रही है, तो फिर अपने ही पैसे को एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर करने या सामान खरीदने के डिजिटल माध्यम का उपयोग करने पर यह नया जुल्म क्यों ढाया जा रहा है?

इस नए फ्रेमवर्क के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों से विरोध की आवाजें उठने लगी हैं। सोशल मीडिया से लेकर चाय की दुकानों और बाजारों तक में लोग इस कानून की कड़े शब्दों में निंदा कर रहे हैं। जनता का स्पष्ट मानना है कि यह कानून उनकी आर्थिक स्वतंत्रता पर एक अदृश्य बेड़ी है। सरकार को यह समझना होगा कि डिजिटल इंडिया की सफलता इस बात पर निर्भर नहीं थी कि सरकार उससे कितना राजस्व कमा सकती है, बल्कि इस बात पर थी कि वह कितनी आसानी से और मुफ्त में देश के आम नागरिक को वित्तीय मुख्यधारा से जोड़ सकती है। 15 अक्टूबर से लागू होने जा रहा यह नया ढांचा यूपीआई की इस मूल भावना की हत्या है। जनता इस आर्थिक तानाशाही को चुपचाप स्वीकार नहीं करेगी। यदि सरकार वास्तव में जनहितैषी होने का दावा करती है, तो उसे तुरंत इस जनविरोधी कानून को वापस लेना चाहिए और यूपीआई को बिना किसी शर्त, बिना किसी सीमा के हमेशा के लिए पूरी तरह मुफ्त रखने की लिखित गारंटी देनी चाहिए। अन्यथा, डिजिटल क्रांति का यह रथ बीच रास्ते में ही थककर रुक जाएगा और जनता का तंत्र से भरोसा हमेशा के लिए उठ जाएगा।

एमपी में जहरीली शराब का सागर और गाँजे की लहलहाती फसल

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

मध्यप्रदेश नशे के अवैध कारोबारियों का गढ़ बन चूका है। नशे के यह सौदागर अपने लाभ के लिए इंसानी जिंदगी के दुश्मन बन बैठे है। इन सौदागरो को न पुलिस का डर है,न ही कानून की कोई चिंता, यही कारण है की प्रदेश के सागर में जहरीली शराब पिने से 33 इंसानी जिंदगी खत्म हो गयी। वहीं बड़वानी जिले की सेंधवा विधानसभा के जंगलो में पुलिस को वन भूमि पर नशे के सौदागरो द्वारा बुआई, जुताई एवं खाद बीज देकर तैयार किये गए खेतो में गाँजे की फसल लहलहाती मिली। इतना ही नहीं प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में अवैध शराब माफियाओ के संगठित गिरोह आए दिन शराब तस्करी के कार्य को अंजाम दे रहे है। प्रदेश को शर्मिंदगी तब उठानी पड़ी, जब शराब के लिए प्रतिबंधित गुजरात के भावनगर जिले में जहरीली शराब से 13 लोगो की मौत के बाद गुजरात पुलिस ने उज्जैन से आरोपितो को चिन्हित किया।

अपना मध्यप्रदेश भारत का हृदय प्रदेश जिसकी तरक्की एवं प्रगति की कामनाएँ हर प्रदेशवासी करता है। प्रदेश विकास की राह पर तेजी से बढ़े, नवीन औद्योगिक इकाईयों की स्थापना हो, जहाँ युवा बेरोजगार काम पा सके, रोजगार के लिए पलायन न हो, अपने ही गाँव, शहर के आसपास काम मिल सके, किसानों को अपनी फसल का उचित दाम मिल सके, खेतो में खुशहाली की फसले लहलहाए किसानों के माथे पर चिंता की लकीरो के स्थान पर उनके चेहरे खुशी से खिले रहे, किंतु यह क्या प्रदेश सागर में जहरीली शराब, गुजरात के भावनगर में घटित जहरीली शराब काण्ड के मास्टर माइंड और बड़वानी जिले में खेतो में गाँजे की खडी फसल से मिली बदनामी का दंश झेल रहा है।

यह विशेष तौर पर ध्यान दिए जाने वाली बात है की एमपी में हर वर्ष शराब के ठेके होते है। इन ठेको से मध्यप्रदेश को बड़े पैमाने पर राजस्व की प्राप्ति होती है। आमजन को शराब आबकारी विभाग की अधिकृत दुकानों से मिलती है, किंतु प्रदेश की वास्तविक तस्वीर बेहद चौकाने वाली है, शराब की उपलब्धता बेहद आसान है , यह प्रदेश के महानगरो, नगरो, गाँवों में संचालित होटेलों, ढाबो पर आसानी से उपलब्ध है। यह जानते हुए ही की आबकारी विभाग की अधिकृत दुकानों के के अलावा अन्य स्थानों पर शराब बेचना अपराध है। इस अवैध गतिविधि का संचालन शराब माफियाओ, आबकारी विभाग और

पुलिस के गठजोड़ से जारी है, इस कार्य में जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी बेहद संदिग्ध है।

अभी बीते दिनों नशे से दूरी है, जरुरी 2.0 अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाया गया। इस अभियान की शुरूवात करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा 'नशामुक्ति अभियान केवल एक पुलिस अभियान नहीं, बल्कि विकसित मध्य प्रदेश की मजबूत नींव है। नशे की लत न केवल व्यक्ति को बल्कि पुरे परिवार को बर्बाद कर देती है, पुलिस विभाग को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा नशा माफिया के प्रति किसी भी तरह की नरमी न बरती जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए।' प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों पर जन प्रतिनिधियों ने नशे के खिलाफ सामाजिक जागरूकता दिखाई, नशा माफियाओ के विरुद्ध सख्त कदम उठाने की बात कही।

जनता प्रदेश के मुखिया सहित जनप्रतिनिधियों बयानों को ध्यान से सुनती है, किंतु नेताओं के बयानों और जमीनी वास्तविकताओं में दिखाई देने वाला अंतर जनता के मन में अपने नेता के प्रति अविश्वास की भावनाओ को जन्म देता है। जनता का व्यवस्था पर से विश्वास कम होता जाता है। मध्य प्रदेश की जनता भी कुछ ऐसे ही हालातों से गुजर रही है। बरसो से अवैध शराब तस्करी के माध्यम से अलीराजपुर, झाबुआ के रास्ते गुजरात, बड़वानी जिले के राजमार्गो और प्रांतीय मार्गो से महाराष्ट्रऔर गुजरात पहुंचाए जाने का सिलसिला जारी है। मुंबई के पत्रकार है, हुसैन जैदी उन्होंने अपनी स्टोरी में बताया की मध्यप्रदेश में 2 से 3 हजार करोड़ रु का सालाना शराब का अवैध कारोबार होता है। बहुत से पत्रकारों ने अपनी रिपोर्ट में अलीराजपुर और झाबुआ के छोटे-छोटे गाँवों में अंग्रेजी शराब के ठेके ऊँची बोली पर नीलामी को शराब तस्करों की साजिश और गुजरात शराब पहुंचाने की तरकीब बताया, यह सच्चाई है की उक्त दोनों जिले आदिवासी बाहुल्य है, यहाँ गाँव के लोग ऊँची अंग्रेजी शराब का सेवन नहीं करते, फिर यह शराब जा कहा रही है? क्या प्रदेश का आबकारी विभाग का इस जमीनी सच्चाई से वाकिफ नहीं है। आदिवासी बाहुल्य जिले शराब माफियाओ के प्रमुख अड्डे बने हुए है।

शराब के बाद एमपी के खरगोन, बड़वानी और महाराष्ट्र के धुलिया जिले की सीमाओं पर स्थित सतपुड़ा के घने जंगलो में वन भूमि पर संगठित रूप से प्रतिबंधित मादक पढ़ार्थ गाँजे की खेती प्रदेश को कलंकित करने के लिए काफी है। एमपी के बड़वानी, खरगोन और खंडवा के सयुंक्त दल ने ड्रोन कैमरो की मदद से इन पहाड़ियों पर दो कार्यवाहियो में कुल 9 प्रकरणो में 34 क्विंटल करीब ढ़ेड करोड़ रु मूल्य के गाँजे के पौधे जप्त किये। इन पहाड़ियों पर गाँजे की खेती का यह आपराधिक कार्य नया नहीं है। यह सुदूर जंगल के ग्रामीण समुदाय में फैली लालच की भावना का उदाहरण है, जो नेताओं और पुलिस के गठजोड़ से पनपी है। याद रहे इंदौर रेंज के तत्कालीन आईजी संजय राणा के नैतृत्व में वर्ष 2006 में बड़वानी के वरला थाना क्षेत्र में गाँजे के खिलाफ 800 पुलिस कर्मियों के दल ने दुर्गम पहाड़ियों पर गाँजे के खेतो को पकड़ा था। 10 से अधिक पुलिस प्रकरण दर्ज किये गए थै। कहने का आशय गाँजे का गौरख धंधा 50 सालो से रुक-रुक जारी है। यह एक आपराधिक गठजोड़ है। जो अब भी जारी है। गाँजे के खेत को तैयार करने में पांच से छ महीने लगते है, इन खेतो में भी बुआई, जुताई, खाद जैसी मेहनत करना होती है, हाल में पकड़े गए खेत तीन से चार माह पुराने होने का अंदेशा है। जो पुलिस एवं आबकारी विभाग के मुखबिर तंत्र को मुंह चिढ़ाता प्रतीत होता है। सवाल यह है की सागर में 33 लोगो की मौत के बाद सक्रिय प्रदेश प्रशासन ने नशे के विरुद्ध मुहीम को सक्रिय किया। जगह-जगह मुहूए की शराब के खिलाफ कार्यवाही देखी गयी। ऐसी कार्यवाही साल भर जारी रखने की आवश्यकता है। सख़्ती सिर्फ शब्दों की नहीं, जमीनी स्तर पर भी उतारने की आवश्यकता है। आवश्यकता व्यवस्था में पनप रहे भष्ट्र आचरण को खत्म करने की है, अभी बीते बरस की बात है, लोकायुक्त पुलिस ने अलीराजपुर से सेवानिवृत हुए आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिँह भदौरिया के ठिकानों पर आय से अधिक सम्पत्ति के मामले में छापेमारी कर 29 करोड़ रु की चल-अंचल सम्पत्ति का खुलासा किया था। यह हालात चौकाने वाले है। धन दौलत और ऐशो आराम की चाह समाज के लोगो को अंधा कर रही है, अपने कर्त्यव्य पथ से विमुख कर रही है, नेता भाषण पिलाए जा रहे है, इन हालातो में एमपी जहरीली शराब का सागर बन गया है और यहाँ गाँजे की फसल लहलहाती दिख रही है। प्रदेश के लिए यह चिंता का सबब है। प्रदेश की जनता जमीन पर रहती है, इन परिस्थियो से जनता के मन में व्यवस्था के प्रति नाराजगी जन्म लेती है। नशे के खिलाफ ईमानदार मुहीम की जरूरत है।

सृष्टि के पहले इंजीनियर माने जाते है भगवान विश्वकर्मा

17 सितम्बर जयंती पर विशेष

-रमेश सर्राफ धमोरा

विश्वकर्मा पूजा भारत में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। इस दिन देश भर में स्थित कारखानों, कार्यशालाओं और विभिन्न कार्यस्थलों पर विशेष पूजा अर्चना की जाती है। ताकि श्रम और कौशल का सम्मान किया जा सके और आने वाले वर्ष के लिए आशीर्वाद प्राप्त हो सके। हर साल विश्वकर्मा पूजा कन्या संक्रांति के दिन मनाई जाती है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। इसलिए इसे विश्वकर्मा जयंती भी कहते हैं।

विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निमार्ता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है।

विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था।

विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निमार्ता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं।

विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं।

विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्मा-जी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे। जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अँगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों परचलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ मानाजाता है। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निमार्ता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होनेवाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है।

पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था।

महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेतायुग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था।

विष्णु को चक्र, शिव के त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रहकर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निमार्ता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी।

माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा को कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवानशिव ने राजा रावण को आंमत्रित किया। रावण महल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवानशिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तथा उसने महल ही मांगलिया। भगवान शिव ने उसे महल देकर वापस पर्वतों पर चले गए। विश्वकर्मा ने देवताओं के लिए उड़ने वाले रथों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा ने देवताओं के राजा इंद्र का हथियार वज्र का निर्माण किया था। वज्र को ऋषि दधीचि और अज्ञेयस्त्र की हड्डियों से बनाया गया है। भगवान विष्ण का सुदर्शन चक्र उनकी शक्तिशाली रचनाओं में से एक था। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तुदोष नहीं माना जाता। औद्योगिक श्रमिकों द्धारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है। यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। जिसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में 18 व्यवसायों में लगे कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना में पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के माध्यम से मान्यता, कौशल सत्यापन के माध्यम से कौशल उन्नयन, बुनियादी कौशल, उन्नत कौशल प्रशिक्षण, उद्यमशीलता ज्ञान, 15,000 रुपये तक के टूलकिट प्रोत्साहन, तीन लाख रुपये तक की ऋण सहायता दी जाती है।

अंधेरी के राजा का राममंदिर में दर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश भर में मनाए जा रहे गणेशोत्सव में जहां विविध मंडलों द्वारा तैयार किए गए मंडपों में बाप्पा को बिराजमान होते दिखाया गया है वहीं इस वर्ष अंधेरी के राजा को अयोध्या मंदिर के प्रतिरूप बनाए गए मंडप में बाप्पा को बिराजमान हुए दिखाया गया है। अंधेरी पश्चिम स्थित वीरा देसाई रोड पर आजाद नगर सार्वजनिक उत्सव समिति के प्रवक्ता उदय सालियन ने बताया कि इस वर्ष मंडल अपना 61 वां गणेशोत्सव मनाने जा रहा है। इस वर्ष अयोध्या मंदिर मंडप का प्रतिरूप बना कर बाप्पा को बिराजित होते दिखाया गया है। आजाद नगर सार्वजनिक उत्सव समिति मार्गदर्शक मंडल के प्रमुख यशोधर (शैलेष) फणसे बताते हैं कि यहां बाप्पा को श्रद्धालू (नवसा चा पावणारा)यानि मनोकामना पूर्ण करने वाले गणपति के रूप में मानते हैं इसलिए यहां भक्तों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। यहां की खास बात यह है कि यहां बाप्पा की मूर्ति दान करने के लिए श्रद्धालु हमेशा लालायित रहते हैं।यही कारण है कि मंदिर में बप्पा को बिराजित करने के लिए अगले 100 वर्षों तक की बुकिंग हो चुकी है। प्रत्येक वर्ष लाटरी निकाल कर श्रद्धालुओं को सूचित किया जाता है कि इस वर्ष आप द्वारा प्रदान की गई मूर्ति की पूजा होगी। अंधेरी के राजा का अयोध्या मंडप बनाने वाले फिल्म जगत के प्रसिद्ध आर्ट डायरेक्टर धर्मेश शाह बताते हैं कि 14 हजार वर्ग फिट लकड़ी के प्लेटफार्म पर 15 फिट ऊंचे 46 अलंकृत स्तंभों पर अयोध्या मंदिर मंडप का निर्माण किया गया है। जिसमें 4 टन से अधिक स्टील फैब्रिकेटेड इस्तेमाल किया गया है। समिति के अध्यक्ष अशोक राणे बताते हैं कि मंडल हर वर्ष सभी सरकारी नियमों का पालन करता है इस लिए अंधेरी के राजा उत्सव मंडल को टाप 10 की श्रेणी में रखा गया है। यहां ड्रेस कोड से लेकर प्रसाद वितरण में भी सभी नियमों का पालन किया जाता है। मंडल के कोषाध्यक्ष सुबोध चिटनिस बताते हैं कि इस उत्सव में बाप्पा के सिर पर साढ़े तीन किलो सोने के मुकुट से उनका श्रृंगार किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए 23 करोड़ 52 लाख का बीमा कवरेज किया गया है। मंडप में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगो तथा गर्भवती महिलाओं के लिए दर्शन के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। इस मंडप में फिल्म जगत से जुड़े अधिकांश लोगों को गणेशोत्सव दौरान दर्शन करते हमेशा देखा जाता है।

विधायक महेश चौघुले के आवास पर फल फूलों से सजा गणपति का दरबार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में गणेशोत्सव पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में भिवंडी पश्चिम के विधायक महेश चौघुले के गौरीपाड़ा-कणेरी स्थित आवास पर गणपति बप्पा की आराधना के साथ आकर्षक प्राकृतिक सजावट की गई है।

गणपति दरबार की सजावट में गन्नों से खंभे तैयार कर उन पर केला, अनानास, संतरा, सेब और सीताफल सहित विभिन्न फलों का इस्तेमाल किया गया है। फलों और फूलों से की गई यह प्राकृतिक सजावट लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। बुधवार को विधायक चौघुले ने शहरवासियों को गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आमंत्रित किया था। इस अवसर पर नगरसेवक, मनपा एवं पुलिस अधिकारी, बैंक संचालक व कर्मचारी, पत्रकार तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सूर्या नदी में फ्लड रेस्क्यू का प्रशिक्षण पालघर, जव्हार, डहाणू व तलासरी के खोज एवं बचाव दलों ने लिया प्रशिक्षण

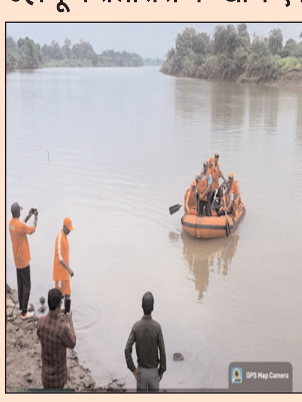

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में आपदा प्रबंधन एवं बाढ़ जैसी आपात परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार 16 सितंबर 2026 को पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल , प्रादेशिक प्रतिसाद केंद्र पालघर के संयुक्त तत्वावधान में फ्लड रेस्क्यू (बाढ़ खोज एवं बचाव) प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

यह प्रशिक्षण मासवण स्थित सूर्या नदी में आयोजित किया गया, जिसमें पालघर, जव्हार एवं डहाणू नगर परिषद तथा तलासरी नगरपंचायत के खोज एवं बचाव दलों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बाढ़ एवं नदी में होने वाली आपात परिस्थितियों में खोज एवं बचाव कार्य करने की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान नदी में बचाव अभियान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू करने तथा आपदा की स्थिति में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई के संबंध में मार्गदर्शन किया गया।कार्यक्रम के दौरान जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम, एनडीआरएफ दल प्रमुख महेंद्र सिंह पुनिया सहित एनडीआरएफ की टीम उपस्थित रही। अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों को आपदा के समय प्रभावी ढंग से कार्य करने तथा स्थानीय स्तर पर बचाव व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

आधार सेवाभावी संस्था अध्यक्ष देवेंद्र मेश्राम के निवास पर हुआ गणपति बप्पा का आगमन

पालघर(उत्तरशक्ति)। गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया के जयघोष के बीच भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी के पावन अवसर पर सोमवार 14 सितंबर 2026 को आधार सेवाभावी संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष तथा समाजसेवी देवेंद्र मेश्राम के धनानी नगर, बोईसर स्थित निवास पर गणपति बप्पा का भक्तिभाव व उत्साह के साथ आगमन हुआ। गणपति स्थापना के अवसर पर परिवार के साथ बड़ी संख्या में समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर बप्पा के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर बोईसर ग्राम पंचायत के उपसरपंच नीलम संखे, पूर्व पंचायत समिति सदस्य पप्पू संखे, बोईसर ट्रैफिक इंचार्ज प्रशांत खैरनार एवं उनकी टीम, विप्र फाउंडेशन के प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, उद्योजक गिरजेश आर. सिंह, बिहार जन सेवा संस्था के अध्यक्ष बबन सिंह, राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के महासचिव डॉ. रवींद्र मिश्रा, विहिप बजरंग दल के चंदन सिंह, आनंद, मनीष सिंह, दीक्षित सिंह सहित अन्य

कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा हिंदू जनजागृति संस्था के अमित सिंह एवं टीम, छत्रपति शिवाजी महाराज कल्चरल स्पोर्ट्स मंडल की पूरी टीम, भाजपा मंडल सेक्रेटरी मानसिंह ठाकुर, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ परिवार, सुनील पाटिल, पत्रकार हरिओम शरण मिश्रा, ओमप्रकाश द्विवेदी, अजीत सिंह, दीपक निराला, मृत्युंजय पांडेय, अमित कुमार दास एवं परिवार, मानस पिंपल और शुभम चौबे सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने बप्पा के दर्शन किए। देवेंद्र मेश्राम एवं उनके परिवार की ओर से सभी आगंतुकों का अंगवस्त्र पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। दर्शन के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने तीर्थ प्रसाद एवं स्वादिष्ट महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर परिवार के एस.जी. मेश्राम, प्रभा मेश्राम, जितेंद्र मेश्राम, नितेंद्र मेश्राम, धीरेंद्र मेश्राम, छाया मेश्राम, वनिता मेश्राम और सुनयना मेश्राम सहित परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समाजसेवी एवं आधार सेवाभावी संस्था के संस्थापक अध्यक्ष देवेंद्र मेश्राम ने बप्पा के दर्शन के लिए पहुंचे सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। पूरे परिवार ने विधि-विधान से गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की। गणेशोत्सव के समापन पर समुद्र तट पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद गणपति बप्पा को भावपूर्ण विदाई दी गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के साथ बप्पा को विदाई दी।

चांदमल करवा कंपाउंड में 15 हजार चॉकलेट से साकार हुई गणपति बप्पा की प्रतिमा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव के अवसर पर शहर के विभिन्न सार्वजनिक गणेश मंडलों द्वारा आकर्षक और अनोखे सजावट व झांकियां तैयार की जा रही हैं। इसी क्रम में चांदमल कारवा कंपाउंड ने गणेशोत्सव के 37वें वर्ष में अपनी अनूठी कल्पना से लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। यहां करीब 15 हजार विभिन्न प्रकार की चॉकलेट का इस्तेमाल कर गणपति बप्पा की प्रतिमा और सजावट तैयार की गई है। करीब साढ़े तीन फीट ऊंची गणपति प्रतिमा को चॉकलेट से सजाया गया है। इस अनोखी सजावट को तैयार करने में कलाकारों को करीब तीन दिन का समय लगा। इसमें लगभग 100 प्रकार की चॉकलेट का उपयोग किया गया है। मंडल के अध्यक्ष आनंद कारवा ने बताया कि सार्वजनिक गणेशोत्सव समाप्त होने के बाद इन चॉकलेट को छोटे बच्चों में वितरित किया जाएगा। चॉकलेट से साकार की गई गणपति प्रतिमा और आकर्षक सजावट को देखने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक पहुंच रहे हैं।

पहली से पांचवीं कक्षा तक के 319 शिक्षकों का समुपदेशन पूरा

शून्य व एक शिक्षकीय स्कूलों में रिक्त पदों को प्राथमिकता, विद्यार्थियों के हित में की गई पदस्थापना

पालघर (उत्तरशक्ति)। विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित को प्राथमिकता देते हुए जिला परिषद पालघर के शिक्षा विभाग की ओर से पहली से पांचवीं कक्षा के शिक्षक संवर्ग के 319 शिक्षकों का समुपदेशन बुधवार 16 सितंबर को संपन्न हुआ। इस दौरान दो उम्मीदवार अनुपस्थित रहे। अधिक विद्यार्थी संख्या वाले तथा शिक्षक की कमी से जूझ रहे शून्य व एक शिक्षकीय स्कूलों में रिक्त पदों को प्राथमिकता देते हुए शिक्षकों को पदस्थापना दी गई। इससे लंबे समय से शिक्षक की कमी का सामना कर रहे कई स्कूलों को राहत मिलने की उम्मीद है। जिला परिषद पालघर के बिरसा मुंडा सभागृह में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक समुपदेशन की प्रक्रिया चली। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज

रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील तथा शिक्षणाधिकारी (प्राथमिक) सोनाली मातेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। शासन के निर्धारित नियमों के अनुसार दिव्यांग, महिला तथा सामान्य श्रेणी के क्रम में समुपदेशन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न की गई। समुपदेशन के दौरान उपलब्ध रिक्त पदों की जानकारी स्क्रीन पर प्रदर्शित की गई और उसी के आधार पर शिक्षकों की पदस्थापना की गई। विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित को ध्यान में रखते हुए अधिक पटसंख्या वाले तथा शिक्षक की आवश्यकता वाली स्कूलों को प्राथमिकता दी गई। कार्यक्रम में उपशिक्षणाधिकारी विद्या दीक्षित, सभी गटशिक्षणाधिकारी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। शिक्षा विभाग के अनुसार गुरुवार 17 सितंबर को कक्षा छठी से आठवीं के विज्ञान एवं गणित विषय के 383 शिक्षकों का समुपदेशन किया जायेगा। इसके बाद 18 सितंबर को कक्षा छठी से आठवीं के भाषा एवं समाजशास्त्र विषय के 106 शिक्षकों के साथ ही उर्दू माध्यम के 16 शिक्षकों का समुपदेशन आयोजित किया जायेगा। समुपदेशन से संबंधित आदेश एवं आवश्यक सूचनाओं के लिए जिला परिषद पालघर की आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी देखने का आवाहन शिक्षा विभाग की ओर से किया गया है।

विवेक विद्यालय का 25 वां शालेय गणेशोत्सव

घाटकोपर (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव केवल भक्ति और आनंद का पर्व नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मन में संस्कार, सृजनशीलता, सामाजिक जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण के मूल्यों को विकसित करने का एक सुंदर अवसर भी है। इसी विचार को केंद्र में रखते हुए विवेक एज्युकेशन सोसायटी द्वारा संचालित विवेक विद्यालय, पार्कसाइट, विक्रोली (प.), मुंबई में इस वर्ष 25वां शालेय गणेशोत्सव उत्साह, भक्तिभाव और पर्यावरणपूरक वातावरण में मनाया जा रहा है।

गणेशोत्सव के 25 वर्ष के अवसर पर विद्यालय की सजावट के माध्यम से पर्यावरण बचाएं, प्रकृति को संजोएं का प्रभावी संदेश दिया गया है। अनुपयोगी वस्तुओं का

रचनात्मक उपयोग, सजावट में प्राकृतिक घटकों का इस्तेमाल तथा पर्यावरणपूरक संकल्पनाओं की प्रस्तुति विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति और सृजनात्मकता को बढ़ावा दे रही है। उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

गणेशोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, कौशल आधारित गतिविधियां तथा मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। इन उपक्रमों में विद्यार्थियों की उत्स्फूर्त भागीदारी देखने को मिल रही है। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और कला-कौशल प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है। शालेय गणेशोत्सव के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के मुख्याध्यापक विवेक थोरात के मार्गदर्शन में विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और विद्यार्थी परिश्रम कर रहे हैं.

गणपति विसर्जन की सुरक्षा को लेकर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटील से शिष्टाचार मुलाकात

◆संवेदनशील स्थानों और तालाबों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हुई महत्वपूर्ण चर्चा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा गणेशोत्सव के दौरान गणपति विसर्जन को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से काशीगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटील से उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के वरिष्ठ पत्रकार तारकेश्वर पांडे ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान गणपति बप्पा के विसर्जन के अवसर पर क्षेत्र में सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

विशेष रूप से काशीगांव पुलिस स्टेशन की सीमा में आने वाले संवेदनशील स्थानों, विसर्जन स्थलों एवं तालाबों पर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श हुआ। गणेश विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। ऐसे में यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा तथा किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस की सतर्कता महत्वपूर्ण होती है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटील ने गणेशोत्सव के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से किए जा रहे सुरक्षा इंतजामों पर चर्चा की। वहीं, पत्रकार तारकेश्वर पांडे ने भी विसर्जन के दौरान नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। मुलाकात के दौरान शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में गणपति विसर्जन संपन्न कराने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई।

अवधेश विश्वकर्मा द्वारा रचित पहली पुस्तक मेरी अभिलाषा मेरा मन का किया गया लोकार्पण

मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। आकार म्यूजिक और विभावरी काव्य धारा तथा स्वर संगम फाऊंडेशन के तत्वावधान में हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर कवि-नाटककार, संगीतकार अवधेश विश्वकर्मा की प्रथम पुस्तक मेरी अभिलाषा मेरा मन का लोकार्पण मुंबई के मीरा रोड में प्रसिद्ध साहित्यिक मंच विरूंगला केंद्र में बड़े धूमधाम से सम्पन्न हुआ।मेरी अभिलाषा मेरा मन के लोकार्पण में महानगर के तमाम प्रसिद्ध कवि साहित्यकार उपस्थित थे।

पुस्तक लोकार्पण का कार्यक्रम साहित्यकार हौशिला अन्वेषी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य वक्ताओं में हृदयेश मयंक, हरिप्रसाद राय, शैलेश सिंह, तथा राकेश शर्मा ने मेरी अभिलाषा मेरा मन पर अपने वक्तव्य दिये। मुख्य अतिथि के रुप में हुबनाथ पांडेय ने पुस्तक मेरी अभिलाषा मेरा मन पुस्तक पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि अवधेश विश्वकर्मा अपने गीतों और गजलों को संगीत मय प्रस्तुति तो दें ही ,साथ ही इन गीतों और गजलों से संगीत बद्ध कर-के समाज में ले जायें। आपकी रचनाएं बहुत प्रसिद्ध होंगी।विशिष्ट

अतिथि आर एस विकल ने मेरी अभिलाषा मेरा मन की रचानाओं में समाज के विघटनकारी तत्वों पर की गई टिप्पणियों पर ध्यान केंद्रित किया।अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर जनाब शमीम अब्बास ने पुस्तक मेरी अभिलाषा मेरा मन के लेखक अवधेश विश्वकर्मा को मुबारकबाद दी। कार्यक्रम के दूसरे सत्र के कार्यक्रम कवि सम्मेलन में जनाब शमीम अब्बास ने कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की और अपनी गजलों से महफिल में समां बाँध दिया।कवि सम्मेलन में अमित दुबे के बेहतरीन संचालन में लगभग साठ कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया जो एक रिकार्ड रहा। पुस्तक लोकार्पण में इतने कवियों का उपस्थित होना और सभी का रचना पाठ करना सबसे महत्वपूर्ण पक्ष रहा। कवियों में एन बी सिंह नादान, अनिल राही, प्रमोद पल्लवित,विनय शर्मा दीप, आनंद पाण्डेय केवल, त्रिलोचन अरोरा,रहबर, अंजनी कुमार द्विवेदी, लालबहादुर यादव,श्रीधर मिश्र, राजीव मिश्रा,अरूण दुबे,अनिल गौड़, कल्पेश यादव,नीतू पांडेय क्रांति, लक्ष्मी यादव,कुसुम तिवारी, लक्ष्मी कांत नयन, वीरेंद्र यादव, जमदग्नि पुरी, दिनेश बैसवारी,ओम प्रकाश तिवारी,नन्दन मिश्रा, शेखर तिवारी,डा दिनेश कुमार वर्मा, दिनेश वर्मा, रामसिंह,विजय कुलकर्णी, रामजी कनौजिया,राम व्यास उपाध्याय, भूपेंद्र मिश्र, रामदत्त तिवारी,सुनीता गुप्ता, आनंद शंकर, राजेश कुमार सिंह,पुलक चक्रवर्ती,राहुल पी,विजय नाथ मिश्र,वीर बहादुर यादव,इत्यादि ने काव्य पाठ किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत पालघर में महीनेभर गांव-गांव होंगे जनहितैषी उपक्रम

पालघर(उत्तरशक्ति)। नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का अधिक प्रभावी ढंग से लाभ दिलाने के उद्देश्य से जिला परिषद पालघर की ओर से सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक जिलेभर में चलाया जायेगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान में सेवा, जनजागृति, लाभार्थियों को मार्गदर्शन तथा योजनाओं की प्रत्यक्ष कार्यवाही पर विशेष जोर दिया जायेगा। अभियान के दौरान शासकीय सेवाओं के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, कृषि, रोजगार और महिला सशक्तीकरण से जुड़े विभिन्न उपक्रम आयोजित किये जायेंगे।अभियान के प्रारंभ में ग्राम पंचायतों, स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं उपकेंद्रों में उच्च रक्तचाप, ब्लड प्रेशर, मधुमेह तथा गर्भवती माताओं की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। समाज कल्याण विभाग की ओर से मातोश्री वृद्धाश्रम, वसई में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत जिले के 2,814 आंगनवाड़ी केंद्रों में ह्यआंगनवाड़ी उत्सव 2026ह्न के तहत पोषण, माता-बाल स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए पंजीकरण, माता सभा, स्थानीय पौष्टिक आहार के प्रदर्शन तथा कुपोषित बच्चों के घर जाकर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी मार्गदर्शन जैसे उपक्रम किये जायेंगे।ग्राम पंचायत विभाग की ओर से 17 से 22 सितंबर के दौरान नए नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के साथ ही संपत्ति कर वसूली, विवाह तथा जन्म-मृत्यु पंजीकरण प्रमाणपत्र वितरण, स्वच्छता और वृक्षारोपण पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। जलापूर्ति विभाग द्वारा हर घर जल अभियान के अंतर्गत ऋळङ किट के माध्यम से पानी की गुणवत्ता की जांच, जलस्रोतों की स्वच्छता तथा नल जल योजनाओं में लीकेज एवं वाल्व की मरम्मत की जायेगी। 2 अक्टूबर को ग्रामसभाओं में हर घर जल प्रमाणीकरण की योजना बनाई जायेगी। लघु सिंचाई विभाग की ओर से कोंकण एवं कोल्हापुर पद्धति के बांधों पर गेट एवं फलक लगाने के लिए तकनीकी तथा प्रशासनिक मंजूरी की प्रक्रिया पूरी की जायेगी। 15 अक्टूबर के बाद संबंधित कार्य शुरू करने की योजना है। जिला ग्रामीण विकास एजेंसी के माध्यम से भूमिहीन लाभार्थियों की समस्याओं का समाधान, आवास योजना के लाभार्थियों को मार्गदर्शन, चाबी वितरण एवं गृहप्रवेश कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नति अभियान के माध्यम से नए स्वयं सहायता समूहों का पंजीकरण, महिलाओं को समूहों से जोड़ने तथा बैंकिंग एवं ऋण सुविधाओं के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दिया जायेगा। कृषि विभाग की ओर से बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजना के लिए ऑनलाइन पंजीकरण, पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार करना, महाडीबीटी के लिए एक खिड़की सुविधा, आवश्यक दस्तावेजों के समन्वय तथा आवेदनों के फॉलोअप पर जोर दिया जायेगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

सपा नेता पवन यादव हत्याकांड का खुलासा, तीन शूटर गिरफ्तार

सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों तक पहुंची पुलिस, वारदात में प्रयुक्त बाइक और दो तमंचे बरामद

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)।हंडिया थाना क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के युवा नेता एवं जिला सचिव पवन यादव हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों लल्ला यादव, बृजेश यादव और निहाल अली को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बाइक और दो तमंचे बरामद किए गए हैं।

डीसीपी गंगानगर जोन कुलदीप सिंह गुनावत के अनुसार, तीनों आरोपी एक ही बाइक से घटनास्थल पर पहुंचे थे। बाइक निहाल अली चला रहा था, उसके पीछे बृजेश यादव और सबसे पीछे लल्ला यादव बैठा था। पुलिस के मुताबिक, लल्ला यादव ने ही पवन यादव पर गोली चलाई थी। घटना के बाद तीनों मौके से फरार हो गए।

पुलिस को घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज मिली, जिसके आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी में मदद मिली। प्रारंभिक पूछताछ में मुख्य आरोपी लल्ला यादव ने पवन यादव से व्यक्तिगत दुश्मनी की बात बताई है। पुलिस के अनुसार, वारदात की तैयारी के तहत 20 हजार रुपये में दो तमंचे और कारतूस खरीदे गए थे। हालांकि, पुलिस हत्या के पीछे पुरानी रंजिश समेत अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है।

बताया गया कि मंगलवार शाम हंडिया थाना क्षेत्र के मुंगराव गांव निवासी पवन यादव को बाइक सवार हमलावरों ने गोली मार दी थी। पवन यादव समाजवादी पार्टी के जिला सचिव होने के साथ पूर्व प्रधान भी थे। परिजनों के अनुसार, वह किसी के बुलाने पर घर से निकले थे। कुछ देर बाद गोली चलने की सूचना मिली। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम हाउस पर सपा नेताओं और समर्थकों की भीड़ जुट गई थी। मृतक के भाई ब्रजेश यादव ने किसी पारिवारिक अथवा पुरानी रंजिश से इनकार किया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

निष्ठा और समर्पण से पीयू बनेगा 'रोल मॉडल' :प्रो. राकेश सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (पीयू) के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने आर्यभट्ट सभागृह में आयोजित एक विशेष संवाद कार्यक्रम में शिक्षकों और कर्मचारियों को संबोधित किया। नियुक्ति के बाद का विश्वविद्यालय परिवार के साथ मंगलवार को देर शाम यह पहला संवाद था। इस दौरान उन्होंने अपना विजन स्पष्ट करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च ग्रेडिंग के साथ स्थापित करना उनका दृढ़ संकल्प है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी शिक्षकों और कर्मचारियों का निष्ठापूर्ण सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें पूर्ण समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा, क्योंकि आज किए गए हमारे उत्कृष्ट कार्यों का सुफल आने वाली पीढ़ियों को प्राप्त होगा। प्रो. सिंह ने कहा कि पीयू को एक आदर्श शिक्षण

◆ संवाद कार्यक्रम में कुलपति ने साझा किया अपना विजन

संस्थान बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने शिक्षकों को

प्रेरित करते हुए कहा कि वे देश के अन्य श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में हो रहे नवाचारों और अच्छी पहलों का अध्ययन करें और उन पर चर्चा करें, ताकि उन्हें पीयू की कार्ययोजना में शामिल कर मूर्तरूप दिया जा सके। कानपुर में आयोजित 'एआई मंथन' के महत्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि हमारे शिक्षकों और कर्मचारियों

◆ विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने के दिए टिप्स

के भीतर अपार ऊर्जा और क्षमता निहित है। आवश्यकता इस बात की है कि उस ऊर्जा को एक सकारात्मक और सही दिशा में उपयोग किया जाए, जिससे विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतर सके। समाज कल्याण की भावना को रेखांकित करते हुए उन्होंने एक प्रेरणादायक उदाहरण साझा किया। उन्होंने कहा, ₹जिस प्रकार कोई भी वृक्ष अपने फल और छाया का स्वयं उपभोग नहीं करता, बल्कि वह दूसरों के काम आता है; ठीक उसी प्रकार हमें भी अपने कार्यों से सम्पूर्ण समाज का हित करना चाहिए। इसी सेवाभाव और संकल्प के साथ हमें निरंतर आगे बढ़ना है।₹ कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद यादव ने विश्वविद्यालय में होने वाले महत्वपूर्ण कार्यक्रम और सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा रखी।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. रवि प्रकाश, प्रो. राजकुमार, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. विक्रांत भटीजा, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव और डॉ. अनु त्यागी, डॉ. श्वेता पांडेय, डॉ. राधिका उर्मिलिया, ईशानी भारती, कृष्णा सिंह, डॉ. ऋचा सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, कर्मचारी संघ के महामंत्री राधेश्याम मुन्ना, सुशील प्रजापति सहित अन्य शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट में जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। हिण्डाल्को द्वारा संचालित आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्, लखनऊ द्वारा जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मेजबान विद्यालय सहित जनपद के 15 विद्यालयों के लगभग 80 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कक्षा 6 से 12 के स्तर पर सम्पन्न होने वाली इस प्रतियोगिता में संस्कृत भाषा में गीत गायन व सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एच आर हेड एवं हिण्डाल्को के समस्त विद्यालयों के प्रबन्धक श्री अजय कुमार सिन्हा, विशिष्ट अतिथि श्री यशवंत कुमार, प्रमुख जनसंपर्क एवं प्रशासन विभाग तथा अति विशिष्ट अतिथि हिण्डाल्को आई.टी. विभाग प्रमुख श्री सुनील कांत पाण्डेय, जनसंपर्क विभाग से प्रशान्त श्रीवास्तव, मेजबान विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री दयानन्द शुक्ल, उप-प्रधानाचार्य श्री विजय भगवत पाटिल ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ मिलकर माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य व वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाओं ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा अन्य गणमान्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंटकर एवं बैज लगाकर स्वागत किया। विद्यार्थियों के मंगलाचरण से आरम्भ हुई इस प्रतियोगिता में विद्यालय की संगीत शिक्षिका ज्योति मिश्रा के निर्देशन में छात्राओं ने खूबसूरत स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता के जनपद संयोजक एवं मेजबान विद्यालय के शिक्षक श्री विवेक कुमार पाण्डेय ने स्वागत भाषण के साथ सभी को प्रतियोगिता व उसके नियमों से परिचित कराया। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने उद्बोधन में संस्कृत भाषा को प्रत्येक भाषा की जननी बताते हुए उस पर

गर्व करने को कहा। साथ ही संस्कृत की उपयोगिता एवं उसके महत्व को बताते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए अत्यन्त आवश्यक हैं।

प्रतियोगिता के संस्कृत गीत गायन में मेजबान विद्यालय आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट की सौम्या सिंघल ने प्रथम, आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुसागर की अल्का यादव ने द्वितीय तथा आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुसागर के ही प्रिन्स कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट की सौम्या राय ने प्रथम, आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुसागर की नव्या सिंह ने द्वितीय तथा आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट की ही कृतिका सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विजेताओं के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, अति विशिष्ट अतिथि, प्रधानाचार्य एवं उप-प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाण-पत्र एवं पदक देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक विवेक कुमार पाण्डेय ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्री नागेन्द्र दुबे, श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय, श्री अश्वनी राय तथा डॉ. संजय त्रिपाठी रहे।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में गणमान्य अतिथियों तथा विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के साथ-साथ अन्य विद्यालयों से आए शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का सहयोग अत्यन्त सराहनीय रहा।

आग से बचाव के बताए आसान तरीके

ओबरा, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। इस्लामिया इंटर कॉलेज परिसर में बुधवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ओबरा की ओर से अग्नि सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को गैस, बिजली और ज्वलनशील पदार्थों से लगने वाली आग के कारणों तथा आग पर प्रारंभिक स्तर पर काबू पाने के सुरक्षित तरीकों की जानकारी दी गई।

सीआईएसएफ ओबरा के सब इंस्पेक्टर अमित चतुर्वेदी ने बताया कि बिजली के शॉर्ट सर्किट, गैस रिसाव, पेट्रोल-डीजल एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों में लापरवाही से आग लग सकती है। उन्होंने आग के प्रकार के अनुसार उपयुक्त अग्निशामक यंत्र के इस्तेमाल की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि बिजली से लगी आग में पानी डालना खतरनाक हो सकता है। ऐसी स्थिति में पहले विद्युत आपूर्ति बंद कर उपयुक्त अग्निशामक यंत्र का प्रयोग करना चाहिए। गैस में आग लगने पर गैस की आपूर्ति बंद करना जरूरी है।

कपड़ों में आग लगने पर दौड़ने के बजाय जमीन पर लेटकर लुढ़कने की सलाह दी गई।

प्रशिक्षण में आपात स्थिति के दौरान घबराने के बजाय संयम रखते हुए त्वरित और सुरक्षित कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में प्रधान आरक्षक विवेकानंद सिंह, सुशील कुमार राव, आरक्षक अग्नि नितेश कुमार सिंह, दर्शनसलिंग और आरक्षक चालक अजीत सिंह काजला मौजूद रहे। अध्यक्षता प्रधानाचार्य रियाज अहमद ने की।

बॉक्स : सावधानी से टल सकता है बड़ा हादसा

अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण में बताया गया कि घर, विद्यालय और कार्यस्थल पर ज्वलनशील पदार्थों को सुरक्षित रखना चाहिए। बिजली के उपकरणों और गैस चूल्हे का सावधानी से इस्तेमाल करना चाहिए। आग लगने पर सबसे पहले लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और जरूरत पड़ने पर दमकल सेवा को तत्काल सूचना देने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

गोरखपुर पहुंचे सीएम योगी, आईएमए के चैरिटेबल ब्लड सेंटर का किया लोकार्पण

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर बुधवार सुबह गोरखपुर पहुंचे। उन्होंने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के चैरिटेबल ब्लड सेंटर का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से नकहा नंबर-2 में बनाए गए कल्याण मंडपम का लोकार्पण भी किया। कल्याण मंडपम का निर्माण 3 करोड़ 9 लाख रुपये की लागत से किया गया है। इसमें ग्राउंड और प्रथम तल पर बने हालों में 300

लोगों के बैठने की क्षमता है। इसकी बुकिंग 11 हजार और 21 हजार रुपये में कराई जा सकेगी। अंत्योदय कार्ड धारकों को 11 हजार में, जबकि अन्य लोगों को 21 हजार रुपये में कल्याण मंडपम मिलेगा। सजावट खुद करानी होगी।

मुख्यमंत्री के ईज ऑफ लिविंग विजन के अनुरूप गोरखपुर में वार्ड स्तर पर सर्वसुविधायुक्त कल्याण मंडपमों की श्रृंखला खड़ी हो रही है। अल्प एवं मध्यम आय वर्ग के लोगों के मांगलिक-पारिवारिक आयोजनों के लिए यह रियायती मैरिज हाउस का विकल्प होगा।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता जरूरी: डॉ.नृपेंद्र सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (पीयू) परिसर स्थित फामेर्सी संस्थान में बुधवार को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण अभियान का दूसरा चरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस विशेष स्वास्थ्य अभियान में छात्राओं और अन्य लाभार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और एचपीवी का टीका लगवाया।

फामेर्सी विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र सिंह ने छात्राओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि युवतियों को एचपीवी

◆ पीयू में एचपीवी टीकाकरण अभियान का दूसरा चरण संपन्न

संक्रमण और इससे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना आज के समय की महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति सही जागरूकता और समय पर किया गया टीकाकरण, भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।

अभियान के दौरान छात्राओं को महज टीका ही नहीं लगाया गया, बल्कि उन्हें एचपीवी संक्रमण, टीकाकरण के दूरगामी महत्व और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति विस्तार से जागरूक भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग की विशेषज्ञ टीम ने सभी लाभार्थियों को उचित चिकित्सकीय

परामर्श और आवश्यक जानकारियां

◆ विशेषज्ञ टीम ने दिया स्वास्थ्य और बचाव का मंत्र

प्रदान कीं। इस अवसर पर प्रोफेसर नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि छात्राओं के स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए एचपीवी टीकाकरण अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि किशोरियों और युवतियों में एचपीवी संक्रमण से बचाव के लिए टीकाकरण के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता भी जरूरी है।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. श्वेता पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर पूजा सक्सेना, सुरेंद्र कुमार, उद्देश्य सिंह, दिव्यांशु सिंह, नितेश सिंह, हेमंत दुबे और बृजेश यादव समेत विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, कर्मचारी व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तहसील प्रभारी घनश्याम जायसवाल नें ज्ञानप्रकाश जायसवाल को बनाया नगर कोषाध्यक्ष

आजीवन सदस्य बनाकर संगठन को मजबूत करने की पहलः घनश्याम जायसवाल

नगर इकाई के पदाधिकारियों का हुआ स्वागत, समाज को संगठित करने पर जोर

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जायसवाल समाज सेवा समिति की नगर इकाई में ज्ञानप्रकाश जायसवाल को नगर कोषाध्यक्ष बनाए जाने पर समाज के लोगों ने खुशी जताई। तहसील प्रभारी घनश्याम जायसवाल ने नगर इकाई के सभी पदाधिकारियों का स्वागत और अभिनंदन करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

तहसील प्रभारी ने कहा कि ज्ञानप्रकाश जायसवाल पूर्व में छोटे जायसवाल परिवारों की

विभिन्न समस्याओं के समाधान में योगदान देते रहे हैं। समाज के लोगों की कठिनाइयों को दूर कराने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। नगर इकाई में उन्हें जिम्मेदारी मिलने से समाज में नई ऊर्जा का संचार होगा।

उन्होंने कहा कि नई नगर इकाई का प्रयास समाज के अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने और आजीवन सदस्य बनाने का रहेगा। संगठन को मजबूत बनाकर समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से एकजुट होकर समाज के हित में कार्य करने की अपील की।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर विशाल भंडारा, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के सब्जी मंडी परिसर में

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन उपलक्ष्य में भगवान श्रीकृष्ण का बरही संस्कार हर्षोल्लास एवं विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जन्मोत्सव कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

कार्यक्रम में सभासद सुरेश जायसवाल, डॉ. मनोज यादव, धर्मेंद्र कुमार सरोज, करुणाकर द्विवेदी, राजन अग्रहरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर हमले के विरोध में भीम आर्मी का प्रदर्शन

अरशद अली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर हुए हमले के विरोध में बुधवार को जौनपुर में भीम आर्मी के कार्यकताओं ने विशाल धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की शुरूआत अंबेडकर पार्क से हुई, जो जिलााधिकारी कार्यालय पहुंचकर समाप्त हुआ।

प्रदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से भीम आर्मी एवं संगठन से जुड़े कार्यकताओं ने भाग लिया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र से आजाद समाज पार्टी के विधानसभा प्रत्याशी एसपी मानव ने किया। प्रदर्शनकारियों ने सांसद चंद्रअरशद अलीशेखर आजाद के काफिले पर हुए हमले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। साथ ही पुलिस पर कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

ओजोन संरक्षण हमारी वैश्विक जिम्मेदारी

पीयू में विश्व ओजोन दिवस पर लिया पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में 'विश्व ओजोन दिवस' के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता और आमंत्रित व्याख्यान का बुधवार को आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम 'ग्लोबल एक्शन फॉर कूलर प्लेनेट' पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ओजोन परत के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भू एवं गृह विज्ञान विभाग के डॉ. श्रवण कुमार ने कहा कि पृथ्वी को हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाने में ओजोन परत की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि क्लोरोफ्लोरो कार्बन जैसे रसायनों से ओजोन परत का क्षरण हो रहा है। डॉ. श्रवण ने ओजोन संरक्षण को एक वैश्विक जिम्मेदारी बताते हुए युवाओं से पर्यावरण सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत व सामूहिक पहल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर केमिकल कम्युनिकेशन सोसाइटी द्वारा एक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने ओजोन परत, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी जागरूकता का परिचय दिया। विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. मिथिलेश सिंह और

रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। संचालन विनायक श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। इस मौके पर डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. दिनेश वर्मा, सुजीत चौरसिया समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पूर्व सभासद, पत्रकार मोहम्मद असलम खान किये गये सम्मानित

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के मोहल्ला शेखजादा स्थित प्रसिद्ध सुब्हानियां सजावट कमेटी की ओर से बुधवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला सचिव, राष्ट्रीय मानवाधिकार कमीशन, जौनपुर (उत्तर प्रदेश)

एवं पूर्व सभासद तथा केराकत तहसील प्रभारी पत्रकार मोहम्मद असलम खान को सम्मानित किया गया। कमेटी के सदस्यों ने उन्हें सम्मान देकर उनके सामाजिक सरोकारों और जनहित से जुड़े कार्यों की सराहना की। सुब्हानियां सजावट कमेटी मोहल्ले में आकर्षक और बेहतर सजावट के लिए अपनी अलग पहचान रखती है। सम्मान समारोह के दौरान कमेटी के सदस्यों ने पत्रकार मोहम्मद असलम खान को सम्मानित करते हुए कहा कि सामाजिक गतिविधियों और जनहित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले लोगों का सम्मान समाज में सकारात्मक संदेश देता है। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने आपसी मेल-जोल और भाईचारे के साथ आयोजन में सहभागिता की। सम्मानित किए जाने पर पत्रकार मोहम्मद असलम खान ने कमेटी के सदस्यों का आभार जताया। इस अवसर पर कमेटी के जाहिद खान, रियाजुद्दीन उर्फ बाबू भाई, शहजेब अख्तर उर्फ सैजी (लाइनमैन), करीम मंसूरी, इस्हाक खान, अब्बास मास्टर साहब, राजू उर्फ महबूब, राजा शेख, कमलेश विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने समय पर पुनर्भुगतान करने वाले ग्राहकों के लिए गोल्ड रिवार्ड पहल शुरू की

पटना। आरबीआई में पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने अपने संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) ग्राहकों के बीच जिम्मेदारी भरे पुनर्भुगतान व्यवहार की पहचान करने के लिए ह्यगोल्ड रिवार्डह्न पहल की घोषणा की है। बिना किसी देरी के समय पर माइक्रोफाइनेंस ऋण का पुनर्भुगतान करने वाले पात्र ग्राहकों को भुगतान की गई ब्याज की रकम के 2 प्रतिशत के बराबर गोल्ड रिवार्ड मिलेगा।

यह पहल उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, असम और पश्चिम बंगाल में लागू की जा रही है।

डीजेटी माइक्रोफाइनेंस, लागू रिवार्ड राशि के आधार पर पात्र ग्राहकों की ओर से सोने की खरीद कर उनका आबंटन करेंगी। ग्राहकों के पास भौतिक रूप में या एक डीमैट एकाउंट के जरिए आबंटित सोने को भुनाने का विकल्प होगा। डीजेटी माइक्रोफाइनेंस के सीओओ अविनाश कुमार ने कहा, इस पहल के जरिए, हम हमारे उन जेएलजी ग्राहकों को पहचानना चाहते हैं जो बिना किसी देरी के अपनी पुनर्भुगतान प्रतिबद्धताएं निरंतर पूरी करते और जिम्मेदारी भरा वित्तीय व्यवहार करते हैं।

लहरों के साथ विकास की नई इबारत लिखेगा पुडुचेरी

पुडुचेरी। समुद्र की नीली लहरों, फ्रांसीसी स्थापत्य की छाप और तमिल संस्कृति की गहरी जड़ों के बीच बसा पुडुचेरी अब विकास के एक नए क्षितिज की ओर बढ़ रहा है। पर्यटन की पारंपरिक पहचान से आगे निकलकर इसे मेडिकल, पर्यटन और शिक्षा के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में रोडमैप तैयार किया जा रहा है। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने से लेकर कनेक्टिविटी के विस्तार तक कई स्तरों पर विकास की योजनाएं आकार ले रही हैं। पत्र सूचना कार्यालय, वाराणसी की ओर से आयोजित मीडिया टूर के तहत उत्तर प्रदेश से पुडुचेरी पहुंचे वरिष्ठ पत्रकारों के दल ने बुधवार को लोक निवास में केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान पुडुचेरी के विकास, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, आधारभूत संरचना और भविष्य की विकास रणनीति पर विस्तार से संवाद हुआ।

भूगोल और विरासत को विकास की ताकत बनाने का संकल्प

संवाद के दौरान उपराज्यपाल ने पुडुचेरी की भौगोलिक विशिष्टता और सांस्कृतिक विरासत को उसकी सबसे बड़ी ताकत बताया। समुद्र से जुड़ी इसकी स्थिति, ऐतिहासिक विरासत और विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को विकास की नई संभावनाओं से जोड़ने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता पुडुचेरी को आने वाले समय में मेडिकल हब, टूरिज्म हब और एजुकेशन हब के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए केवल योजनाएं बनाना ही नहीं, बल्कि उन योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना जरूरी है। इसी सोच के तहत रेल कनेक्टिविटी के विस्तार, बड़े और आधुनिक एयरपोर्ट के विकास तथा सड़कों के नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में काम किया जा रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी को उन्होंने पुडुचेरी के आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में रेखांकित किया।

कनेक्टिविटी बढ़ेगी तो खुलेगा रोजगार का रास्ता

किसी भी क्षेत्र का विकास उसकी सड़कों और परिवहन व्यवस्था से होकर गुजरता है। पुडुचेरी के संदर्भ में भी यही दृष्टिकोण दिखाई देता है। रेल, हवाई और सड़क संपर्क बेहतर होने से पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी, कारोबार को नई गति मिलेगी और निवेश की संभावनाएं मजबूत होंगी।बेहतर आधारभूत ढांचा स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी नई जमीन तैयार करेगा। पर्यटन से जुड़े होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद और सेवा क्षेत्र को विस्तार मिलेगा। इसके साथ ही युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावना है।उपराज्यपाल ने इसी व्यापक दृष्टिकोण को सामने रखते हुए कहा कि पुडुचेरी का विकास केवल इमारतों और सड़कों के विस्तार तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसका लाभ स्थानीय समाज और युवाओं तक पहुंचना चाहिए।

पर्यटन को नई उड़ान, शिक्षा और स्वास्थ्य को नई पहचान

पुडुचेरी की पहचान लंबे समय से देश-विदेश के पर्यटकों के बीच एक शांत, सुंदर और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध पर्यटन स्थल के रूप में रही है। समुद्र तट, औपनिवेशिक स्थापत्य, आध्यात्मिक केंद्र और दक्षिण भारतीय संस्कृति का अनूठा मेल इसे विशिष्ट बनाता है। अब इसी पहचान को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ने का लक्ष्य है। पर्यटन को केवल दर्शनीय स्थलों तक सीमित रखने के बजाय इसे स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार का मजबूत आधार बनाने की कोशिश है।इसी तरह स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार को भविष्य की विकास रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। मेडिकल हब के रूप में विकसित होने से स्वास्थ्य सेवाओं के साथ चिकित्सा शिक्षा और इससे जुड़े रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं। शिक्षा क्षेत्र में निवेश पुडुचेरी को देश के विभिन्न हिस्सों के विद्यार्थियों के लिए और अधिक आकर्षक बना सकता है।

मां के साथ सो रहे मासूम को सांप ने डसा, मौत से मचा कोहराम

इटावा (उत्तरशक्ति)। बलरई थाना क्षेत्र के कीरतपुर गांव में मंगलवार रात मां के साथ चारपाई पर सो रहे मासूम को सांप ने डस लिया। बालक के रोने के बावजूद परिजन रोने का कारण नहीं समझ पाए। करीब डेढ़ घंटे बाद सांप के दोबारा दिखाई देने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। आनन-फानन बालक को सीएचसी लेकर पहुंचे, यहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। कीरतपुर निवासी धर्मेंद्र कुमार का बेटा अर्पित (03) मंगलवार रात मां सुमन के साथ सो रहा था। रात करीब डेढ़ बजे सांप ने उसके पैर की अंगुली में डस लिया। बालक रोने लगा लेकिन परिजन वजह नहीं समझ सके। करीब डेढ़ घंटे बाद सांप दोबारा आया और बालक के बड़े भाई कल्लू के पैर के पास पहुंच गया।

सेवानिवृत्त डॉक्टर को जमीन बेचने के नाम पर हड़पे 27 लाख रुपये

कानपुर (उत्तरशक्ति)। बर्रा के हरदेवनगर निवासी सेवानिवृत्त डॉक्टर राजेश सिंह ने परिचित नंदकिशोर यादव पर जमीन बेचने के नाम पर 27 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। डॉक्टर राजेश ने पुलिस को बताया कि परिचित नंदकिशोर यादव ने छतमरा में अपनी जमीन बेचने की इच्छा जताई। भूमि देखने के बाद सौदा तय हुआ। भरोसे में आकर चेक और आरटीजीएस के माध्यम से कुल 27 लाख रुपये दे दिए। जब बैनामा करने को कहा तो नंदकिशोर टालमटोल करता रहा। संदेह होने पर जमीन की जानकारी जुटाई तो पता चला कि जमीन नंदकिशोर की नहीं बल्कि फाजिल नामक व्यक्ति की है। रुपये वापस मांगने पर हत्या की धमकी दी। पुलिस कमिश्नर से शिकायत की।

भा. ज. पा. प्रदेश मा.कार्यालय मंत्री मुकुंद कुलकर्णी के निवास स्थान पर सांस्कृतिक मंत्री अशिषजी शेलार ने गणपती बप्पा का दर्शन किया, साथ में युवा मोर्चा मुंबई सचिव विराज मुकुंद कुलकर्णी मौजूद रहे। छाया: उत्तरशक्ति

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मृत विशाल यादव के परिजनों से की मुलाकात

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव निवासी विशाल यादव की विगत दिनों मनबढो ने पीट पीट कर हत्या कर दी थी। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारियों के साथ विशाल यादव के घर पहुंच कर परिजनों से शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ढांढ़स बंधाया। अजय राय ने विशाल यादव के परिजनों को आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी परिवार के साथ खड़ी रहेगी, अपराधियों को सजा दिलाने तक न्याय की लड़ाई में हम सब साथ में हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों का हौसला बढ़ गया है, सरकार अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही करने की बजाय उन्हें संरक्षण देने लगी है, अजय राय ने कहा कि प्रदेश में रोज हो रही

हत्याओं की घटना से लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, महिलाओं और लड़कियों के साथ बलात्कार की घटनाओं में बढ़ोत्तरी से प्रदेश की कानून व्यवस्था चौपट हो गयी है। अजय राय ने स्व. विशाल यादव के न्याय दिलाने के लिए सरकार से मांग करते हुए कहा कि परिवार के एक सदस्य को नौकरी और एक करोड रुपए मुआवजा दिया जाये एवं अपराधी कोई भी हो उसे हर हाल में सजा मिलनी चाहिए।

इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह, शहर अध्यक्ष आरिफ खान, इरशाद खान, विनय तिवारी, चंद्रशेखर निषाद, सन्दीप निषाद, अरुण शुक्ला, देवराज पांडेय, रामसिंह बांकुरे, कृष्णचंद निषाद, अभिनव सिंह साहिल, विकेश उपाध्याय विक्की, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष रेखा सिंह, डा. राकेश मिश्र मंगला गुरु, मुहम्मद ताहिर, विजय कुमार प्रजापति सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सारनाथ पुलिस ने चोरी के 14 मोबाइल के साथ 2 शातिर चोरों को पकड़ा, 48 हजार नकद बरामद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना सारनाथ पुलिस टीम ने ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी के 14 मोबाइल फोन के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कब्जे से 48,100 रुपये नकद भी बरामद हुआ है। पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त सारनाथ के नेतृत्व में थाना सारनाथ पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। सारनाथ पुलिस सथवां चौराहे पर वाहन चेकिंग में मौजूद थी। मुखबिर से सूचना मिली कि हृदयपुर अंडरपास के पास कुछ लोग चोरी के मोबाइल बेचने के लिए इकट्ठा हुए हैं। सूचना पर पुलिस ने हृदयपुर अंडरपास पहुंचकर घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। समय करीब 00.14 बजे, हृदयपुर अंडरपास, थाना सारनाथ।किशन राजभर पुत्र अमरनाथ राजभर, निवासी बेनीपुर,

थाना सारनाथ, वाराणसी, उम्र 24 वर्ष अविनाश दीक्षित पुत्र हरेन्द्र दीक्षित, निवासी अशोक बिहार कॉलोनी, थाना सारनाथ, वाराणसी, उम्र 31 वर्ष विभिन्न कंपनियों के 14 एंड्रॉइड मोबाइल फोन और 48,100 रुपये नकद। पूछताछ में खुलासा किशन राजभर ने बताया कि वह चंदौली हाईवे किनारे खड़े भारी वाहनों के चालकों के पास से मोबाइल चोरी करता है और अविनाश दीक्षित को औने-पौने दाम में बेच देता है। बेचने के लिए ही आया था कि पकड़ा गया।किशन राजभर पर पहले से थाना सारनाथ में मु0अ0सं0 0036/2020 और 0025/2022 में मुकदमे दर्ज हैं।

इस संबंध में थाना सारनाथ पर मु0अ0सं0 0481/2026 धारा 317(2), 317(4) इठर के तहत मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

सर्पदंश से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के डेहरी गांव में बुधवार की रात सर्पदंश से 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी और बच्चों के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। जानकारी के अनुसार डेहरी गांव निवासी बीरबहादुर पुत्र द्दगपाल रोज की तरह खाना खाने के बाद कमरे में तख्त पर सो गए थे। आधी रात के बाद एक जहरीला सर्प तख्त पर चढ़ गया और सो रहे बीरबहादुर को डस लिया। सर्प के डसने के बाद उनकी नींद खुली तो उन्होंने अपने ऊपर सर्प को देखा और चीखने-चिल्लाने लगे। आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देख सर्प तख्त से उतरकर पास में रखी ईंटों के बीच जाकर छिप

गया।

परिजन आनन-फानन में बीरबहादुर को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज ले गए। चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल जौनपुर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर जौनपुर जा रहे थे, तभी रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन शव को वापस घर ले आए। मृतक तीन भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था तथा मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था।

उसके परिवार में पत्नी नीलम के अलावा दो पुत्र दीपक (12) व दीपांशु (6) तथा एक पुत्री शीतल (8) हैं। पति की मौत के बाद पत्नी नीलम का रो-रोकर बुरा हाल है। उसका करुण क्रंदन सुनकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। उधर, घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने सर्पमित्र को सूचना दी। सूचना पर मुर्खा गांव निवासी सर्पमित्र आदर्श मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद सर्प को रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया।

विश्व ओजोन दिवस पर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर कंपोजिट विद्यालय देवकली, विकासखंड मुफ्तीगंज में विद्यार्थियों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को ओजोन परत के महत्व तथा पृथ्वी को हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाने में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर के निर्देश एवं खंड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को ओजोन परत के संरक्षण के लिए पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने, प्रदूषण कम करने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका सविता मौर्या सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों की सहभागिता रही।

इंदौर में 40 साल से रह रहे लोगों को अब मिलेगा जमीन का हक

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन17 सितंबर को इंदौर मैं आगमन हो रहा है। उनका मुख्य कार्यक्रम सुपर कॉरिडोर मैदान में आयोजित होगा। यहां वे स्वामित्व योजना का शुभारंभ करेंगे। खास बात राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मप्र में पहली बार आ रहे , नितिन नवीन की कोई स्वागत रैली नहीं होगी।

दरअसल उनकी व्यस्तता के मद्देनजर उनका यहां सिर्फ सरकारी कार्यक्रम ही होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत ऐसे लोगों को उनकी जमीन और मकान का अधिकार देने का काम किया जा रहा है, जो वर्षों से वहां रह रहे हैं, लेकिन उनके पास जमीन का

वैध दस्तावेज या पट्टा नहीं है। इंदौर और आसपास के क्षेत्र के करीब 30 हजार लोगों को स्वामित्व के पट्टे दिए जाने की तैयारी है।

योजना के तहत जिस स्थान पर व्यक्ति वर्षों से रह रहा है, उसी स्थान पर उसे स्वामित्व का अधिकार देने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीबों के लिए चार करोड़ से अधिक मकान बनाए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवारों ने यह समस्या बताई थी कि वे 40-40 वर्षों से अपनी जगह पर रह रहे हैं, लेकिन उनके पास जमीन का अधिकार या पट्टा नहीं है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर स्वामित्व योजना को आगे बढ़ाया गया।

साहित्य कला मंच की नई कमेटी का गठन हुआ

मुंबई। साहित्य कला मंच द्वारा पिछले 48 वर्षों से लगातार आजाद मैदान में रामलीला का मंचन किया जाता रहा है। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी संस्था द्वारा इटउ के सामने, आजाद मैदान में 11 अक्टूबर 2026 से भव्य रामलीला का आयोजन किया जाएगा। रामलीला का मंचन 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक चलेगा तथा 20 अक्टूबर, विजयादशमी (दशहरा) के पावन अवसर पर बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का भव्य दहन किया जाएगा।

रामलीला आयोजन को लेकर साहित्य कला मंच ने नई कार्यकारिणी का गठन किया है। नई कमेटी के गठन के साथ ही आज विधिवत रूप से रामलीला के इस वर्ष के आयोजन का शुभारंभ किया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने आयोजन को भव्य, अनुशासित एवं गरिमापूर्ण बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। नई कार्यकारिणी में चेयरमैन विश्वनाथजी भरतीया, अध्यक्ष एडवोकेट सुशीलजी व्यास, कार्याध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, महामंत्री विनय मिश्रा तथा कोषाध्यक्ष अनील अग्रवाल चुने गए। वहीं उपाध्यक्ष पद पर प्रदीप लादिवाल एवं विवेक अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई है। संस्था के ट्रस्टी के रूप में दीपक बुबना, एडवोकेट त्रिम्बक तिवारी, रामकिशोर दरक, पवन खेतान, पवन शर्मा एवं सुरेश भरतिया का चयन किया गया

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में मार्टिनगंज, आजमगढ़ निवासी 54 वर्षीय मरीज के ब्लैडर मास का सफल ऑपरेशन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में मार्टिनगंज, जनपद आजमगढ़ निवासी 54 वर्षीय मरीज के ब्लैडर में पाए गए मास का सफल ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन यूरोलॉजी विभाग के चिकित्सक डॉ. हिमांशु सिंह द्वारा विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम के डा0 अभिषेक मिश्रा, डा0 इमरान, डा0 अकांक्षा, डा0 राजन्य प्रजापति के सहयोग से सफलता पूर्वक किया गया।

मरीज को ब्लैडर संबंधी समस्या के कारण चिकित्सा महाविद्यालय में भर्ती कराया गया था। आवश्यक जांचों के उपरांत ब्लैडर में मास पाए जाने पर चिकित्सकों द्वारा ऑपरेशन करने का निर्णय लिया गया। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न किया गया तथा मरीज की स्थिति वर्तमान में स्थिर बताई गई है। चिकित्सकों के अनुसार ब्लैडर के अंदर पाए जाने

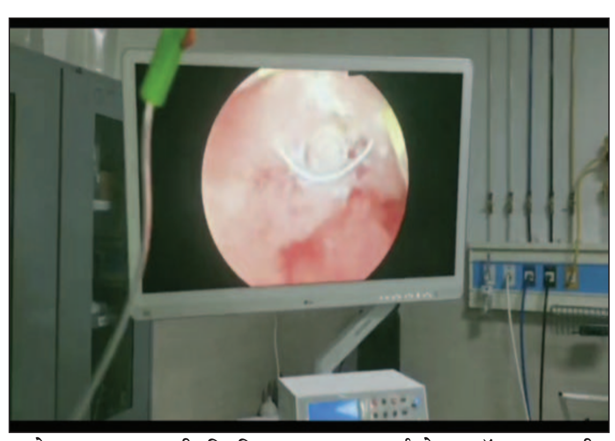

वाले मासध्द्यूमर की स्थिति का आकलन करने तथा आवश्यकतानुसार उसे हटाने के लिए ट्रांसयूरेथ्रल रीसैक्शन ऑफ ब्लैडर ट्यूमर (ळवफ्ढ़ळ)) जैसी प्रक्रिया की जाती है, जिसमें पेट पर चीरा लगाए बिना मूत्रमार्ग के रास्ते उपकरण द्वारा ब्लैडर के अंदर की असामान्य वृद्धि को हटाया जाता है।

इस सफल ऑपरेशन पर प्रधानाचार्य प्रो0 (डॉ0) आर0बी0 कमल ने चिकित्सकीय टीम को बधाई देते हुए कहा कि चिकित्सा महाविद्यालय में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संस्थान निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जटिल एवं विशेषज्ञ उपचार की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से जनपद जौनपुर एवं आसपास के जनपदों के मरीजों को लाभ मिल रहा है।

वहीं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर (डॉ0) ए0 ए0 जाफरी ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालय के चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहे हैं। यूरोलॉजी जैसी विशेषज्ञ सेवाओं के माध्यम से मरीजों को आधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराना संस्थान की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस जटिल ऑपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया प्रदान करने में डॉ. अरविंद पटेल, डा0 जीसान जफर एवं डा0 साइराम नागारेड्डी दत्ता तथा सहायक कर्मचारी इन्दु, आस्था, रीना, काजल राजूमजूमदार, अरविन्द, सुनील, प्रेम, सोनी, अभिषेक, जुबेर व विशाल का विशेष योगदान रहा। ऑपरेशन के बाद मरीज चिकित्सकों की निगरानी में है तथा उसकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नालासोपारा पूर्व में युवा महासंघ फाउंडेशन में स्थापित गणपति का दर्शन करने पहुंचे दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार आनंद मिश्रा, समाजसेवी प्रथमेश सिंह, बाला बिपिन तिवारी ने गणेश चतुर्थी पर्व पर आशीर्वाद लिया । उस समय संस्था के लोगों ने इन सब का सत्कार किया।

छाया चित्र: दैनिक उत्तरशक्ति

सुदामा नगर निवासी अभय बागरेचा ने 8 दिन का रखा पर्युषण

इंदौर (उत्तरशक्ति) मिच्छामि दुक्कड़म एक प्राचीन भारतीय प्राकृत भाषा का वाक्यांश है, जो ऐतिहासिक जैन ग्रंथों में पाया जाता है। इसका संस्कृत समतुल्य है मिथ्या मे दुष्कृतम् और दोनों का शाब्दिक अर्थ है जो कुछ भी किया गया है वह सब व्यर्थ हो सकता है। यह व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है जैन धर्म के अंतिम दिन प्रतिक्रमण रीति-रिवाजों का पर्युषण पर्व कहा जाता है। सम्वत्सरी श्वेताम्बर परंपरा में, और क्षमावणी दिगंबर परंपरा मे वाक्यांश को वैकल्पिक रूप से व्याख्यायित किया गया है और इसका मतलब है, मेरे सभी अनुचित कार्य असंगत हो सकते हैं या मैं सभी जीवित प्राणियों से क्षमा मांगता हूं, वे सभी मुझे क्षमा कर सकते हैं, हो सकता है कि मैं सभी प्राणियों से मित्रता करूं और किसी से दुश्मनी न करूं। अनुष्ठान के रूप में, जैन इस दिन अपने मित्रों पर और रिश्तेदारों को मिच्छामि दुक्कड़म के साथ अभिवादन करते हैं, उनसे क्षमा मांगते हैं। यदि किसी जाने-अनजाने कोई गलती हुई हो तो हमें क्षमा करें। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि विश्व का कल्याण हो।

AIFI के दूसरे वार्षिक सम्मेलन में भारत के लिए 'चाइना प्लस वन' अवसर और अधिक स्मार्ट तथा मजबूत फोर्जिंग उद्योग की आवश्यकता पर दिया गया जोर

मुंबई/पुणे। भारतीय फोर्जिंग क्षेत्र की शीर्ष संस्था, एसोसिएशन ऑफ इंडियन फोर्जिंग इंडस्ट्री (AIFI) ने न्यू डेवलपमेंट ट्रेंड्स - इम्पैक्ट ऑन फोर्जिंग इंडस्ट्रीज़ विषय पर अपने दूसरे वार्षिक सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सम्मेलन में उद्योग के प्रमुख हितधारकों ने बदलते कारोबारी माहौल और भारतीय फोर्जिंग उद्योग के भविष्य को आकार देने वाले अवसरों तथा चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन में बदलती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, उभरते 'चाइना प्लस वन' अवसर, प्रौद्योगिकी और ऑटोमेशन, उत्पादकता, जनशक्ति, बढ़ती इनपुट लागत तथा पूरे क्षेत्र में अधिक मजबूती और प्रतिस्पर्धात्मकता की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। सम्मेलन की चर्चाओं में इस बात को रेखांकित किया

गया कि भारतीय फोर्जिंग उद्योग एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। चूंकि वैश्विक कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने पर विचार कर रही हैं, ऐसे में भारतीय कंपनियों के पास वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी स्थिति मजबूत करने का बड़ा अवसर है। हालांकि, उद्योग को प्रौद्योगिकी, ऑटोमेशन, इंजीनियरिंग और आरएंडडी (R&D) क्षमताओं, कुशल जनशक्ति, उत्पादकता और स्थिरता में निवेश करके पारंपरिक विनिर्माण और आपूर्तिकर्ता मॉडल से आगे बढ़ना होगा। सम्मेलन का सामूहिक संदेश स्पष्ट था कि भारत के पास पसंदीदा वैश्विक साझेदार बनने के लिए विनिर्माण आधार, इंजीनियरिंग प्रतिभा और बाजार के अवसर मौजूद हैं, लेकिन कंपनियों को विकास के अगले चरण का लाभ उठाने के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने, अनिश्चितता से निपटने, ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने और उच्च-मूल्य समाधान देने की क्षमता विकसित करनी होगी। सभा को संबोधित करते हुए AIFI के अध्यक्ष और वर्षा फोर्जिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ, यश मुनोट ने कहा, भारतीय फोर्जिंग उद्योग एक अहम मोड़ पर है, जहां वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन से भारत के लिए महत्वपूर्ण अवसर पैदा हो रहे हैं। इसके साथ ही, हमें भू-राजनीतिक अनिश्चितता, बढ़ती इनपुट लागत, तकनीकी बदलावों और ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। हमारा ध्यान उत्पादकता बढ़ाने, तकनीक को तेजी से अपनाने, कर्मचारियों के कौशल विकास और नवाचार तथा स्थिरता को सुदृढ़ करने पर होना चाहिए।

विनोद तावड़े के निवास पर गणपति बप्पा का दर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं सांसद विनोद तावड़े के निवास स्थान पर गणपति बप्पा के दर्शन एवं पूजा-अर्चना का कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अड़ जयप्रकाश शेट्टी भाजपा उभामें मुंबई के उपाध्यक्ष रामविलास पाठक, उत्तर प्रदेश सरकार के निजी सचिव निर्मल वाजपेई तथा चांदीवली विधानसभा उभामें के अध्यक्ष सुरेंद्र यादव सहित अन्य गणमान्य लोगों ने बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। गणेशोत्सव के दौरान सभी ने सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

सोनाटा इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने AWS के साथ 5 साल के रणनीतिक सहयोग समझौते पर किए हस्ताक्षर

मुंबई। सोनाटा सॉफ्टवेयर [NSE: SONAT-SOFTW, BSE: 532221] ने आज घोषणा की कि उसके घरेलू व्यवसाय का प्रतिनिधित्व करने वाली सोनाटा इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने, पूरे भारत में एंटरप्राइज के लिए क्लाउड को अपनाने और आधुनिकीकरण को तेज करने के लिए अमेजन वेब सर्विसेज (AWS) के साथ 5 साल के रणनीतिक सहयोग समझौते (SCA) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता सोनाटा की हाइपरस्केलर-नेतृत्व वाली विकास रणनीति को आगे बढ़ाता है और भारतीय बाजार में क्लाउड परिवर्तन के अवसरों का लाभ उठाने की उसकी क्षमता को बढ़ाता है। बढ़ती अक्रओर क्लाउड परिवर्तन की संभावनाओं का सामना करने के लिए दोनों कंपनियां भारत में संयुक्त गो-टू-मार्केट (GTM) रणनीति लागू करेंगी। इस समझौते के तहत, सोनाटा BFSI, रिटेल, मैन्युफैक्चरिंग, IT और हेल्थकेअर उद्योगों में संयुक्त गो-टू-मार्केट प्रयासों का विस्तार करते हुए, अहर-केंद्रित समर्पित बिक्री, प्री-सेल्स, तकनीकी और डिलीवरी क्षमताओं में निवेश करेगी। इस सहयोग से सोनाटा को माइग्रेशन एक्सीलेरेशन प्रोग्राम और मैनेज्ड सर्विसेज प्रोग्राम जैसे अहर कार्यक्रमों का लाभ उठाने में मदद मिलेगी, जो जटिल क्लाउड परिवर्तन पहलों का समर्थन करते हैं और ग्राहकों को पुराने तकनीकी वातावरण से आधुनिक क्लाउड आर्किटेक्चर की ओर जाने में मदद करते हैं। इस निवेश का उद्देश्य अवसरों की पहचान करने और कार्यान्वयन के माध्यम से ग्राहकों का समर्थन करने के लिए एक अधिक एकीकृत मॉडल तैयार करना है।

सुजित मोहंती, मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ऑफ सोनाटा सॉफ्टवेअर्स डोमेस्टिक बिजनेस ने कहा: अहर के साथ यह 5 साल का सहयोग भारत में हमारे क्लाउड व्यवसाय को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे हमें अपनी अहर क्षमताओं को और मजबूत करने, ग्राहकों की परिवर्तन यात्रा में उन्हें जल्द से जल्द जोड़ने और अधिक रणनीतिक अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिलेगी प्रवीण श्रीधर, हेड ऑफ पार्टनर और आईएसवी बिजनेस, एडब्ल्यूएस इंडिया और साउथ एशिया ने कहा: भारत में एंटरप्राइज अपनी क्लाउड यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं - जहां वे केवल प्रारंभिक स्वीकार्यता से आगे बढ़कर महत्वपूर्ण वर्कलोड्स का आधुनिकीकरण कर रहे हैं और अक्रप्रेरित नवाचार के लिए आधार तैयार कर रहे हैं।

मीशो के सबसे बड़े त्योहारी बाजारों में महाराष्ट्र शामिल,विक्रेताओं की भागीदारी में करीब 26% की बढ़ोतरी

मुंबई। इस साल गणेश चतुर्थी की खरीदारी के लिए महाराष्ट्र, मीशो के सबसे बड़े बाजारों में शामिल रहा। राज्य में मुंबई और पुणे प्रमुख खरीदारी बाजारों में रहे। त्योहारी खरीदारी की मांग बड़े शहरों तक सीमित नहीं रही और छोटे शहरों में भी देखने को मिली। इससे पता चलता है कि त्योहारों के दौरान ऑनलाइन खरीदारी की पहुंच छोटे शहरों तक लगातार बढ़ रही है देशभर में मीशो पर गणेश चतुर्थी के कुल ऑर्डर में से 53% ऑर्डर अकेले टियर-4 बाजारों से आए। यानी हर दो में से एक से ज्यादा ऑर्डर इन बाजारों से मिला। इस साल त्योहारी सीजन में ज्यादा कारोबारियों ने भाग लिया। मीशो पर गणेश चतुर्थी से जुड़े उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं की संख्या पिछले साल के मुकाबले करीब 26% बढ़कर लगभग 9,000 हो गई। इनमें लगभग हर 10 में से 7 विक्रेता नए थे, जिन्होंने इस साल पहली बार मीशो पर गणेश चतुर्थी से जुड़े उत्पादों की बिक्री में भाग लिया। गणेश चतुर्थी की खरीदारी में पारंपरिक मूर्तियां और पूजा का सामान ग्राहकों की प्रमुख पसंद बने रहे। इसके साथ ही सजावट से जुड़े उत्पादों की मांग में भी अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली। तोरण और दीवार पर लगाई जाने वाली सजावटी वस्तुओं की बिक्री पिछले साल के मुकाबले करीब 139% बढ़ी, यानी इसमें दोगुने से भी ज्यादा की बढ़ोतरी हुई।

भंडारकर रोड सार्वजनिक गणेश महोत्सव सेवा समिति का 65वां वर्ष

30 वर्षों से निरंतर चल रहा भव्य भंडारा, प्रतिदिन 3 से 4 हजार श्रद्धालु ग्रहण करते हैं प्रसाद

-संजय मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भंडारकर रोड सार्वजनिक गणेश महोत्सव सेवा समिति द्वारा ए पंडाल, भंडारकर रोड, माटुंगा ईस्ट में इस वर्ष गणेश उत्सव का 65वां वर्ष पूरे विधि-विधान, श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। समिति की ओर से पिछले करीब 30 वर्षों से लगातार भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इस भंडारे में प्रतिदिन लगभग 3 से 4 हजार श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं। भंडारे की शुरुआत प्रतिदिन रात करीब 8 बजे होती है और यह देर रात 2 से 3 बजे तक चलता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पंडाल में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करते हैं और भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। गणेश उत्सव के 11 दिनों के दौरान पंडाल में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन विधि-विधान से किया जाता है। बीच-बीच में रुद्राभिषेक, अर्चना एवं सहस्त्रनाम अर्चना सहित अनेक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होते हैं। पूरे 11 दिन तक भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना श्रद्धा और धार्मिक परंपरा के अनुसार की जाती है। इस गणेश महोत्सव की विशेष परंपरा यह है कि पूजा-अर्चना के लिए विशेष रूप से कोयंबटूर से पंडित महाराज आते हैं। उनके परिवार की तीसरी पीढ़ी लगातार इस गणेश महोत्सव में पूजा-पाठ की परंपरा निभाती आ रही है। पंडित महाराज द्वारा 11 दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाते हैं।

कार्यक्रम को संपन्न कराने में अध्यक्ष प्रदीप भाई संपत, सदस्यों में अनिल पटेल, मोहम्मद सरवैया, रवि नायडू, अनिल भाई, राजेंद्र गुप्ता, वासुदेव राव, जितेंद्र नगाड़ा, मितुल भाई पाल, अरविंद पाल, चंदू पटेल, रमेश पटेल, विष्णु अहीर, रमेश अहीर, मेघाजी पटेल एवं मूलचंद शामिल हैं। लगातार 30 वर्षों से आयोजित हो रहा यह भंडारा सेवा, श्रद्धा और सामाजिक एकता की मिसाल बना हुआ है। गणेश उत्सव के दौरान हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण के साथ धार्मिक एवं सामाजिक सेवा की यह परंपरा निरंतर आगे बढ़ाई जा रही है।

एयर इंडिया ने सेल्सफोर्स के एजेंटफोर्स की मदद से कस्टमर सर्विस को बेहतर बनाया

बैंगलुरू। नं. 1 ए.आई सी.आर.एम, सेल्सफोर्स ने आज घोषणा करके बताया कि एयर इंडिया अपनी कस्टमर सेवा में एजेंटफोर्स के इस्तेमाल को बढ़ा रहा है। एयर इंडिया अपनी प्रारंभिक रिफंड-प्रोसेसिंग के अलावा अन्य सेवाओं में ए.आई एजेंट का इस्तेमाल करके कस्टमर सेवा को बेहतर बना रहा है। यह इंटैलिजेंट एवं एंड-टू-एंड अनुभव संभव बना रहा है, जिसमें एजेंट ग्राहक की इच्छा को समझते हैं, निवेदनों की पुष्टि करते हैं और एंटरप्राईज के सिस्टम्स में समझदारी से कनेक्ट हो जाते हैं। इस प्रकार हाथों-हाथ कार्रवाई संभव होती है। एजेंटफोर्स रिजॉल्यूशन में तेजी लाता है, ग्राहकों के अनुभव को सुगम बनाता है और व्यापक स्तर पर स्मार्ट सेवा संभव बनाता है, जिससे एयर इंडिया को अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने और भविष्य का एजेंटिक एयरलाईन बनने में मदद मिलेगी। यह विस्तार एयर इंडिया द्वारा अपने रिफंड प्रोसेसिंग के लिए एजेंटफोर्स के प्रारंभिक इस्तेमाल के बाद किया गया है, जो एयरलाईन ऑपरेशंस में सबसे अधिक जटिल सेवा प्रक्रियाओं में से एक है क्योंकि इसमें अनेकों वैलिडेशन, पॉलिसी चेक, बैकएंड-सिस्टम इंटरैक्शन और क्रॉस-टीमों पर निर्भरता होती है। वैलिडेशन, एप्रूवल, और बैकएंड रिफंड प्रोसेसिंग की गतिविधियों को व्यवस्थित बनाकर एजेंटफोर्स ने एयर इंडिया के इंटरनल रिफंड प्रोसेसिंग टाईम को लगभग 14 दिनों से घटाकर केवल चार घंटों तक ला दिया है। बैंक प्रोसेसिंग टाइम में कोई अंतर नहीं आया है। ऑटोमेटेड ईमेल रिजॉल्यूशनः ग्राहकों के ईमेल में रिफंड, बैगेज, लॉयल्टी और अन्य सेवाओं के लिए अनेकों निवेदन शामिल हो सकते हैं, जिनके लिए एजेंट्स को उत्तर देने से पहले विभिन्न सिस्टम्स से जानकारी एकत्रित करने, उसकी जाँच करने और सत्यापन करने की जरूरत होती है। नेम चेंज ऑटोमेशनः नाम ठीक करवाने के लिए अनेक एलिजिबिलिटी चेक, वैलिडेशन और टिकटिंग एक्शन की जरूरत होती है। जब यात्रा बहुत जरूरी हो, उस समय यह प्रक्रिया बहुत अधिक चुनौतीपूर्ण होती है। नॉलेज एजेंटः एक ए.आई-पॉवर्ड रिप्रेजेंटेटिव कस्टमर सर्विस टीमों के लिए रियल-टाईम असिस्टैंट के रूप में काम करता है और नीतियाँ, प्रक्रियाएं, किराए के नियम और ऑपरेशनल गाईडेंस बातचीत वाले इंटरफेस में तुरंत उपलब्ध कराता है।

प्रोजेक्ट संवर्धन के तहत ग्राम दांदव, विकास खंड तुलसीपुर में विशेष वीएचएसएनडी सत्र का डीएम ने किया निरीक्षण

बलरामपुर। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने तथा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों तक स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट संवर्धन के अंतर्गत प्रत्येक बुधवार को आयोजित होने वाले विशेष ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (श्लरठऊ) के तहत जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन द्वारा ग्राम दांदव, विकास खंड तुलसीपुर में आयोजित वीएचएसएनडी सत्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं के चिन्हीकरण, उनकी स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक चिकित्सकीय कार्रवाई की प्रगति का जायजा लिया।

ग्राम पंचायत सचिवालय दांदव, विकास खंड तुलसीपुर में आयोजित वीएचएसएनडी सत्र के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से प्रभावी मोबिलाइजेशन सुनिश्चित किया जाए। ग्राम में ऐसे सभी बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को सत्र तक लाया जाए, जिनका टीकाकरण निर्धारित है, जिससे कोई भी पात्र लाभार्थी टीकाकरण एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। इस दौरान एएनएम द्वारा बताया गया कि विशेष वीएचएसएनडी सत्र में 09 बच्चों एवं 05 महिलाओं का टीकाकरण किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने टीकाकरण की स्थिति की जानकारी लेते हुए एएनएम एवं आशा के रजिस्टर का भी निरीक्षण किया तथा अभिलेखों को नियमित एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ई-कवच पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं तथा टीकाकरण के लिए निर्धारित बच्चों की जानकारी समय से अपडेट की जाए। इसके साथ ही ड्यू लिस्ट को नियमित रूप से अपडेट करते हुए उसके अनुसार लाभार्थियों से संपर्क किया जाए। एएनएम, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री आपसी समन्वय के साथ ड्यू लाभार्थियों की ट्रैकिंग करें तथा टीकाकरण से छूटे बच्चों एवं महिलाओं को आगामी सत्र में अनिवार्य रूप से कवर करें।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने हाई रिस्क प्रेग्नेंसीवाली गर्भवती महिलाओं के चिन्हीकरण एवं उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच की स्थिति की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि चिन्हित सभी हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेष निगरानी की जाए तथा निर्धारित समय पर आवश्यक जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का यूएसजी (अल्ट्रासोनोग्राफी) प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कराया जाए। एएनएम एवं आशा प्रत्येक चिन्हित एचआरपी महिला के यूएसजी की स्थिति का नियमित फॉलोअप करें। जिन महिलाओं का यूएसजी लंबित है, उन्हें स्वास्थ्य इकाई तक पहुंचाकर जांच सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि समय से यूएसजी एवं अन्य आवश्यक जांच के माध्यम से जोखिम की पहचान कर आवश्यक चिकित्सकीय प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकता है। एचआरपी महिलाओं की सूची अद्यतन रखी जाए तथा प्रत्येक महिला की स्वास्थ्य स्थिति, आवश्यक जांच, यूएसजी एवं फॉलोअप की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष वीएचएसएनडी के माध्यम से ग्राम स्तर पर प्रत्येक पात्र महिला एवं बच्चे तक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित की जाए।

इंडियन बैंक को लगातार तीसरे वर्ष राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया

मुंबई। इंडियन बैंक को वर्ष 2025-26 के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। बैंक को बैंकिंग परिचालन में हिंदी के प्रयोग एवं प्रोत्साहन के प्रयासों के लिए लगातार तीसरे वर्ष यह सम्मान प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार हिंदी दिवस समारोह के दौरान नवी मुंबई स्थित सिडको प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया.

इंडियन बैंक के कार्यपालक निदेशक शिव बजरंग सिंह ने माननीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार एवं नित्यानंद राय से यह पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग की सचिव, सुश्री अंसुली आर्या भी उपस्थित थीं। सम्मेलन के दौरान इंडियन बैंक द्वारा प्रकाशित कॉफी टेबल बुक मैं दिल्ली हूँ का भी विमोचन किया गया. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक/वित्तीय संस्थान), चेन्नई के संयोजक के रूप में इंडियन बैंक को सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। यह सम्मान इंडियन बैंक की मुख्य महाप्रबंधक, सुश्री वी. एन. माया, तथा सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं समिति के सदस्य-सचिव, राजेश कुमार सिंह ने प्राप्त किया. मुंबई के क्षेत्र महाप्रबंधक प्रणेश कुमार सहित बैंक के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सम्मेलन में भाग लिया.

पत्रकार रामकुमार मधुकर के यहाँ पधारे गणपति बप्पा, दिवा में उमड़ी भीड़

दिवा (ठाणे)। क्षेत्र में गणेशोत्सव का पावन पर्व बड़े ही भक्तिभाव और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में वरिष्ठ पत्रकार रामकुमार मधुकर के दिवा स्थित निवास स्थान पर प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश (गणपति बप्पा) का आगमन बेहद धूमधाम, ढोल-ताशों की गूंज और वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बप्पा की मनमोहक प्रतिमा स्थापित कर महाआरती का आयोजन किया गया। बप्पा के दर्शन और आशीर्वाद पाने के लिए क्षेत्र की कई जानी-मानी हस्तियाँ विशेष रूप से उपस्थित हुईं। आगंतुक एवं मुख्य अतिथिः पत्रकार रामकुमार मधुकर के गृह प्रवेश/ कार्यालय पर बप्पा का आशीर्वाद लेने पहुंचे मुख्य अतिथियों में एडवोकेट नित्यानंद शर्मा, 'दिव्या खुशी एंटरप्राइजेज' के मालिक चंद्रकांत यादव, तथा 'सामना की आवाज' के संपादक राजेश पांडे सहित कई अन्य पत्रकार बंधु एवं समाज सेवी शामिल रहे। आयोजक रामकुमार मधुकर जी द्वारा आए हुए सभी अतिथियों व आगंतुकों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर भावपूर्ण स्वागत व सम्मान किया गया। पूरा परिसर गणपति बाप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया के जयकारों से गुंजायमान रहा। आरती के उपरांत सभी श्रद्धालुओं और अतिथियों को महाप्रसाद का वितरण किया गया एवं क्षेत्र में सुख, शांति व समृद्धि की मंगलकामना की गई।

किआ इंडिया बॉलकिड्स प्रोग्राम एट एओ27

मुंबई। देश की प्रमुख प्रीमियम कार कंपनियों में से एक और ऑस्ट्रेलियन ओपन की पुरानी पार्टनर किआ इंडिया ने आज किआ इंडिया बॉलकिड्स प्रोग्राम एट एओ27 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करने की घोषणा की। यह प्रोग्राम युवा टेनिस प्रेमियों को दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक को बहुत करीब से अनुभव करने का मौका देता है। 12 से 15 साल की उम्र के लड़के और लड़कियां प्रोग्राम की खास वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए पहले से टेनिस खेलने का कोई अनुभव होना जरूरी नहीं है। प्रोग्राम, योग्यता, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया और नियमों से जुड़ी ज्यादा जानकारी के लिए किआ इंडिया बॉलकिड्स प्रोग्राम एट एओ27 ऑफिशियल पोर्टल पर जाएं। इस मौके पर किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग श्री अतुल सूद ने कहा, ₹ऑस्ट्रेलियन ओपन के साथ हमारी पुरानी साझेदारी ने हमें दुनिया के सबसे रोमांचक टेनिस पलों का हिस्सा बनने और प्रशंसकों से जुड़ने का मौका दिया है। 'किआ इंडिया बॉलकिड्स प्रोग्राम एट एओ27' के जरिए हमें भारत के युवा टेनिस प्रेमियों तक इस जुड़ाव को पहुँचाते हुए बेहद खुशी हो रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर नवी मुंबई मनपा मुख्यालय गो गोल्डन

नवी मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका के सीबीडी बेलापुर स्थित मुख्यालय को 12 सितंबर को सुनहरी रोशनी से रोशन किया गया। यह पहल एक्सेस लाइफ असिस्टन्स फाउंडेशन द्वारा बाल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और यह महत्वपूर्ण संदेश देने के लिए की गई कि बाल कैंसर का इलाज संभव है। सितंबर माह को दुनियाभर में बाल कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। बचपन में होने वाले लगभग 70 से 90 प्रतिशत कैंसर का उपचार संभव है। हालांकि, भारत में जागरूकता की कमी, देर से बीमारी का पता चलना और पर्याप्त सहायता व्यवस्था के अभाव के कारण बच्चों के ठीक होने की दर लगभग 40 से 45 प्रतिशत है। एक्सेस लाइफ असिस्टन्स फाउंडेशन के संस्थापक गिरिश नायर ने कहा, आज भी बहुत से लोग यह नहीं जानते कि सुनहरा रंग बाल कैंसर जागरूकता का प्रतीक है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बाल कैंसर का इलाज संभव है। नवी मुंबई के लोगों से जुड़ी इस प्रमुख इमारत को सुनहरी रोशनी से सजाने का हमारा उद्देश्य बाल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

वीर सावरकर उद्यान के तालाब में गणेश मूर्तियों के विसर्जन हेतु पुलिस उपायुक्त को लिखा पत्र

मुंबई। बोरीवली-पश्चिम स्थित वीर सावरकर उद्यान के तालाब में गणेशमूर्तियों के विसर्जन पर महानगरपालिका अधिकारियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को लेकर पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने परिमंडल-11 के पुलिस उपायुक्त संदीप घुगे को पत्र लिखा है।

पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि बोरीवली विधानसभा क्षेत्र का विधायक बनने के बाद सन 2006 में वीर सावरकर उद्यान के निर्माण का कार्य शुरू किया गया। सन 2008 में तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तथा अन्य मान्यवरों की उपस्थिति में इस उद्यान का उद्घाटन किया गया था। उद्यान के उद्घाटन के बाद गणेशमूर्ति विसर्जन का प्रश्न उपस्थित हुआ, तब स्थानीय नागरिकों ने, विशेष रूप से चौगुले परिवार ने, उद्यान के मौजूदा तालाब में ही गणेशमूर्ति विसर्जन की अनुमति देने की आग्रहपूर्ण माँग की थी। स्थानीय नागरिकों की धार्मिक भावनाओं, हिंदू समाज की श्रद्धा तथा लोकमान्य तिलक द्वारा स्वतंत्रता-पूर्व काल में समाज संगठन और राष्ट्रीय जनजागृति के उद्देश्य से शुरू की गई सार्वजनिक गणेशोत्सव की परंपरा आदि बातों पर विचार करके वीर सावरकर उद्यान के प्रबंधन ने उस तालाब में गणेशमूर्ति विसर्जन का कार्य शुरू कर दिया। कई वर्षों से बड़ी संख्या में नागरिकों द्वारा इसी तालाब में गणेशमूर्तियों का विसर्जन 'पिछले वर्ष' तक किया गया। परंतु, इस वर्ष न्यायालयीन आदेश का हवाला देते हुए महानगरपालिका द्वारा बनाई गई नीति को लागू करने व वीर सावरकर उद्यान के प्रबंधन को कोई भी पूर्व सूचना अथवा लिखित पत्र न देते हुए उद्यान के तालाब में विसर्जन पर रोक तथा कृत्रिम तालाब बनवाने का मनपा अधिकारियों द्वारा मन बना लिया गया। संबंधित प्रबंधन अथवा स्थानीय नागरिकों की कोई बैठक लेकर चर्चा भी नहीं की गई और गणेश विसर्जन से महज दो दिन पहले वीर सावरकर उद्यान में कृत्रिम तालाब बनाने के लिए स्थानीय नगरसेविका की उपस्थिति में भूमिपूजन किए जाने की जानकारी स्थानीय नागरिकों से मिलने पर मैं तुरंत घटनास्थल पर पहुँचा। वहाँ महानगरपालिका तथा पुलिस अधिकारियों से चर्चा करके पूरी वस्तुस्थिति उनके संज्ञान में लाई। फिर भी अगले दो दिनों में कोई ठोस कार्रवाई न होने से डेढ़ दिवसीय गणेश मूर्ति विसर्जन की शाम को फिर से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। उस समय मैंने पुनः वीर सावरकर उद्यान में जाकर महानगरपालिका व पुलिस अधिकारियों से चर्चा की। न्यायालयीन आदेश तथा राज्य शासन के निदेशों का हम पूरी तरह से पालन करेंगे, यह भूमिका मैंने स्पष्ट रूप से उनके संज्ञान में लाई। संबंधित आदेशों का मजमून भी उन्हें दिखाया गया।

इसके अलावा, वीर सावरकर उद्यान के पास उपलब्ध संबंधित दस्तावेज - मुंबई के प्राकृतिक तालाबों की सूची तथा झांसी की रानी तालाब के संदर्भ में न्यायालयीन मामला शुरू रहने के दौरान उपलब्ध कराए गए दस्तावेज भी संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाए गए।

संतोष की बात रही कि, आर-मध्य विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. प्रफुल दिनेश तांबे ने सभी संबंधित दस्तावेजों का अवलोकन कर वस्तुस्थिति समझने के बाद सही भूमिका निभाई और इस कारण उत्पन्न हुआ विवाद उस दिन अंततः शांत हो गया व उद्यान के तालाब में मूर्तियों का विसर्जन शुरू हो गया। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने पत्र में आगे लिखा है कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली के बारे में मैंने अपनी नाराजगी संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाई। न्यायालयीन आदेश, शासन के आदेश व संबंधित नियमों का गहन अवलोकन किए बिना किसी भी धार्मिक उत्सव के लिए सरसरी तौर पर अथवा ब्लैंकेट परमिशन के स्वरूप में भूमिका लेना मुंबई महानगरपालिका के लिए उचित नहीं है।